नई दिल्ली
सोमवार
29 अप्रैल, 2024
वर्ष: 10, अंक: 237
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

झंझारपुर व मधुबनी दोनो संसदीय क्षेत्र में मतदान...पेज-05

DELHIN/2014/58158

ाकिस्तान को 'गुलाम' बनाने वाले लोगों से समझौता...पेज-06

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए
सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

पीएफआई बन गयी है कांग्रेस की जीवन रेखाः प्रधानमंत्री

मोदी ने कर्नाटक के बेल्लारी में कांग्रेस और पीएफआई पर तिखा हमला किया

बल्लारी,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के बेल्लारी में रविवार को कांग्रेस और प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर तिखा हमला बोलते हुए कहा कि पीएफआई विपक्ष के लिए जीवन रेखा बन गयी है। श्री मोदी कहा, पीएफआई के इरादों और लक्ष्यों के बारे में कौन नहीं जानता हर कोई जानता है। हमने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन दूसरी तरफ देखिए, वही पीएफआई कांग्रेस के लिए जीवन रेखा बन गई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए पीएफआई के प्रति सहानुभूति रखती है।

उन्होंने कहा कि कि जैसे-जैसे भारत प्रगति कर रहा है, कुछ देश और संगठन परेशान हो रहे हैं। वे भारत की ताकत और स्थिरता को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने अपनी सरकार को ऐसे खतरों के खिलाफ एक मजबूत योद्धा के रूप में स्थापित किया और राष्ट्र के कल्याण के प्रति उसके संकल्प और समर्पण को उजागर किया। कर्नाटक पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए श्री मोदी ने कथित तौर पर राज्य की विकास पहल के खिलाफ काम करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने विपक्षी दल पर क्षेत्र में प्रगति के बीज बोने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में अपनी सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निवेश को रेखांकित किया, जिससे कल्याण-कर्नाटक के नाम से जाने जाने वाले क्षेत्र में विकास की मजबूत नींव रखी गई। उन्होंने लोगों से मिले अटूट समर्थन और प्यार के लिए आभार व्यक्त किया और अंतिम सांस तक देश के हितों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी।

मोदी ने नेहा हत्याकांड के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा

बेलगावी,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कर्नाटक के बेलगावी में एमसीए की छात्रा नेहा हिरेमत की हत्या के मुद्दे पर कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला और राज्य में सत्तारूढ़ इस पार्टी की कानून -व्यवस्था बनाए रखने में विफलता के लिए कड़ी आलोचना की। श्री मोदी ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बेलगावी, चिक्कोडी और हुबली की घटनाओं का हवाला देते हुए कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर नागरिकों, विशेषकर महिलाओं के कल्याण पर तुष्टीकरण की राजनीति को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए कॉलेज परिसर में हुए क्रूर हत्याकांड जैसे मामलों से भी कड़ाई से नहीं निपटने पर पर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। श्री मोदी ने कहा, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार आने से पूरे राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा गयी है। यहां बेलगावी में एक आदिवासी बहन के साथ और चिक्कोडी में एक जैन साधु के साथ जो हुआ, वह शर्मनाक है। श्री मोदी ने यहां एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा, हुबली के एक कॉलेज परिसर में हमारी बेटी नेहा के साथ जो हुआ, उसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। उसका परिवार कार्रवाई की मांग करता रहा, लेकिन कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण का दबाव हावी रहा। उन्होंने कांग्रेस पर राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करने और चुनावी उद्देश्यों के लिए प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के साथ जुड़ने का आरोप लगाया।

तीसरे चरण में भी नहीं खुलेगा विरोधियों का खाता- अमित शाह

मैनपुरी,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गृहमंत्री अमित शाह ने मैनपुरी में रविवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि तीसरे चरण के चुनाव में विरोधियों का खाता भी नहीं खुल पायेगा। यहां किशनी के डीपीएस स्कूल के खेल मैदान में बीजेपी प्रत्याशी जयवीर सिंह ठाकुर के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा में गृहमंत्री ने कहा कि भाजपा के उत्तर प्रदेश में 80 की 80 सीटें जीतने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मैनपुरी से जयवीर सिंह को भारी बहुमत से विजयी बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गारंटी दी है कि 2029 तक निःशुल्क अनाज उपलब्ध कराने की योजना जारी रहेगी।

मोदी सरकार में सड़कों,हवाई अड्ढ़ों, मेडीकल कालेजों के निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून का राज स्थापित हुआ है,पहले प्रदेश से जनता पलायन करती थी,अब गुंडे प्रदेश छोड़कर भाग गए हैं। श्री शाह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया ने अपने परिवार के पांच सदस्यों को लोकसभा चुनाव में उतार कर सिद्ध कर दिया है कि सपा पार्टी परिवारवादी पार्टी है। समाजवादी पार्टी खुद को यादवों का हमदर्द बताती है, लेकिन चुनाव के समय कोई और यादव नहीं मिलता, तब कुनवा नजर आता है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है परिवार वादी पार्टी को खत्म कर कमल खिलाने का। अखिलेश यादव खुद कन्नौज से लड़ रहे हैं और मैनपुरी से उनकी पत्नी, फिरोजाबाद, आजमगढ़ व बदायूँ से उनके चाचा, ताऊ के लड़के चुनाव लड़ रहे हैं। मोदीजी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। पहले और दूसरे चरण में बीजेपी के पक्ष में लहर चली और 100 सीटों पर पार्टी के प्रत्याशी विजयी हो रहे हैं। विरोधियों का तीसरे चरण में भी खाता नहीं खुलेगा। अखिलेश और डिम्पल पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जब उनको राममंदिर के उद्घाटन समारोह का आमंत्रण दिया गया तो वह किसके डर से नहीं गए। वोट बैंक खिसकने के डर से वह राममंदिर नहीं गए। भाजपा ने अयोध्या में ही राममंदिर बनवाया। धारा 370 समाप्त की। राहुल बाबा अखिलेश के खास दोस्त हैं। उन्होंने कहा 370 हटी तो खून की नदियां बहेंगी। एक कंकड़ भी नहीं चला। उन्होंने अपने भाषण में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

एक नजर

रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ भारत, कर रहा है निर्यात: राजनाथ

अहमदाबाद,एजेंसी। रक्षा मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने गुजरात के अहमदाबाद में रविवार को कहा कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ भारत रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहा है। श्री सिंह ने अहमदाबाद के श्यामा प्रसाद मुखर्जी हॉल में आज अन्य भाषा भाषी सेल द्वारा आयोजित उत्तर भारतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि श्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में देश ने काफी प्रगति की है, पहले रक्षा संसाधन बाहर से आयात करने पड़ते थे लेकिन आज भारत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर है। भारत ने कई उत्पादों को विदेशों में निर्यात कर अपनी शक्ति बढ़ाई है। श्री राम भगवान का मंदिर बनवाकर श्री मोदी ने श्री राम लला को ताड़पत्री में से भव्य विशाल मंदिर में विराजमान कर हमारी आस्था का सम्मान किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा के शासनकाल से पहले हमारी अर्थ व्यवस्था विश्व में 11वें स्थान पर थी और अब विश्व में चौथे स्थान पर पहुंच रही है। कोविड काल में जब पूरी दुनिया असहाय थी और कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं थी, तब श्री मोदी ने हमारे वैज्ञानिकों को शोध के लिए पर्याप्त अवसर देकर भारत के 100 करोड़ लोगों को मुफ्त वैक्सीन देकर न केवल लोगों का जीवन बचाया बल्कि दुनिया के कई देशों को भी मुफ्त वैक्सीन भेज कर एक वासुदेव कुटुंबकम का विश्व के सामने एक बेहतरीन उदाहरण भी पेश किया है।

सात दिन बाद भी नहीं पता चला गुरचरण सिंह का

नई दिल्ली,एजेंसी। तारक मेहता का उल्टा चश्मा नामक धारावाहिक में रोशन सिंह सोढ़ी का किरदार निभाने वाले गुरचरण सिंह का सात दिन के बाद भी अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। वह सोमवार से लापता हैं। गुरचरण के पिता ने पालम थाने में उनके लापता होने की शिकायत दी थी। पिता का कहना है कि वह घर से मुंबई जाने के लिए निकले थे लेकिन न वह मुंबई पहुंचे और ना ही घर आए हैं। शिकायत पर पालम थाना पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच कर रही है। डीसीपी रोहित मीणा के अनुसार गुरचरण सिंह की तलाश लोकल पुलिस के अलावा स्पेशल स्टाफ भी कर रही है। पुलिस ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज को खंगाला है। 22 अप्रैल की शाम को वह पालम इलाके में दिखाई दिए। फिलहाल पुलिस उनके परिवार एवं दोस्तों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक गुरचरण सिंह सपरिवार साधनगर, पालम में रहते हैं।

मोदी के नेतृत्व में आरक्षण खत्म करना चाहती है भाजपा- राहुल

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आरक्षण को खत्म करना चाहती है और उसके इस मिशन को अंजाम देने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहम भूमिका निभा रहे हैं। श्री गांधी ने भाजपा को आरक्षण खत्म करो गैंग का %अड्डा% बताया और कहा कि श्री मोदी इस अड्डे के सरगना हैं।संविधान आरक्षण के जरिए सबको समान अवसर देता है, इसलिए कांग्रेस इस तरह की किसी भी साजिश को सफल नहीं होने देगी।

श्री गांधी ने कहा, भारतीय जनता पार्टी 'आरक्षण खत्म करो' गैंग का अड्डा है और नरेंद्र मोदी उसके सरगना। भाजपा के लोग आरक्षण और संविधान को खत्म करना चाहते हैं। ये गलत है और हम ये कभी नहीं होने देंगे। संविधान कहता है कि देश के सभी लोगों को एक जैसा अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, संविधान से करोड़ों लोगों को आरक्षण मिला। देश की सारी संस्थाएं संविधान से निकली हैं, लेकिन अब श्री मोदी और आरएसएस चाहते हैं कि लोकतंत्र और संविधान ख़त्म किया जाए और अपने लोगों को देश का राजा बनाया जाए। आज देश के शिक्षण संस्थानों में आरएसएस के लोग

बैठे हुए हैं जिनका शिक्षा से कोई लेना-देना नहीं है। श्री गांधी ने जातिगत गणना को जरूरी बताते हुए कहा, जातिगत जनगणना मेरी लाइफ का मिशन है। कांग्रेस की सरकार आते ही हम जातिगत जनगणना करा देंगे।

लोस चुनावः कांग्रेस गलत नीतियों के कारण सत्ता से बाहर हुई वही हश्र भाजपा का होगाः मायावती

मुरैना,एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तरप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आज कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जिन गलत नीतियों के कारण कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई उसी तरह भाजपा भी उन्हीं नीतियों के चलते सत्ता से बेदखल होने जा रही है।

सुश्री मायावती यहां मुरैना - श्योपुर संसदीय क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर ग्वालियर और भिंड संसदीय क्षेत्र से बसपा के टिकिट पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद केंद्र और देश के अधिकांश राज्यों में सत्ता कांग्रेस के हाथों में केंद्रित रही है। दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग विरोधी नीति और गलत कार्य प्रणाली की वजह से कांग्रेस को केंद्र और अधिकांश राज्यों में भी सत्ता से बाहर होना पड़ा है, यही

स्थिति उनके सहयोगी दलों की रही है। इस कारण ही बहुजन समाज पार्टी (बसपा) बनाने की जरूरत पड़ी। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और इसके सहयोगी दल केंद्र और अधिकतर राज्यों में सत्ता में काबिज हो गए हैं। इनकी जातिवादी, पूंजीवादी संकीर्ण, साम्प्रदायिक ओर द्वेषपूर्ण नीतियां हैं, इनकी कथनी और करनी में अंतर है। अब ऐसा लगता है कि इस बार भाजपा केंद्र की सत्ता में आसानी से वापिस आने वाली नहीं हैं, बशर्ते चुनाव फ्री एंड फेयर हो, मशीन में गड़बड़ी न की जाए। सुश्री मायावती ने कहा कि कांग्रेस की तरह ही भाजपा ने भी केंद्र की तमाम सरकारी जांच एजेंसियों का राजनीति करण कर दिया है। पूर्व कांग्रेस सरकार की तरह ही भाजपा सरकार में जातिवादी, पूंजीवादी, साम्प्रदायिक सोच और नीतियां हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछले कुछ समय से गरीब परिवारों को अस्थायी तौर पर फ्री में थोड़ी खाद्य सामग्री बांट रही है। इससे उनका भला नहीं होने वाला। इनकी समस्या देश में हर हाथ को काम देने से दूर होगी।

त्रिदलीय गठबंधन विजयी होगा: भाजपा

काकीनाडा,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने रविवार को दावा किया कि गठबंधन सहयोगी सफलता के लिए पूर्ण समन्वय के साथ काम कर रहे हैं और काकीनाडा संसदीय क्षेत्र के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भाजपा काकीनाडा संसदीय क्षेत्र के समन्वयक यारलागड्डा रामकुमार, भाजपा नरसापुरम निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी येनिमिरेड्डी मालाकोंडैया और पार्टी के मीडिया पैनलिस्ट दुव्वुरी सुब्रमण्यम ने दावा किया कि पार्टी सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में 50,000 से अधिक मतों के साथ काकीनाडा संसदीय सीट जीतेगी। उन्होंने आगे दावा किया कि कचरा कर, पिछले पांच वर्षों से हर साल संपत्ति कर में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी और बिजली शुल्क में कई गुना बढ़ोतरी के कारण वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ जनता में काफी नाराजगी है।

राम और कृष्ण जैसी ईश्वरीय ताकत को चुनौती देने वालों का पतन तयः योगी

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

बदायूं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि जो लोग ईश्वरी ताकत को चुनौती देते हैं उनका पतन तय है। उन्होंने कहा कि सपा ने लोकसभा चुनाव का मजाक बनाकर रख दिया है। सपा द्वारा बार-बार अपने प्रत्याशियों को बदलना ये दिखाता है कि अखाड़ा सजने से पहले ही इन लोगों ने हार मान लिया है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने संबोधन की शुरुआत सप्तऋषि परंपरा के महान ऋषि कश्यप और महाराज भगिरथ की तपोभूमि व वेदों की पावन धरा बदायूं को नमन करते हुए किया। सीएम ने कहा कि लोकसभा चुनाव चल रहा है। मगर इसे भी सपा ने मजाक का विषय बना दिया है। सपा ने इतनी बार अपना प्रत्याशी बदल दिया है कि अखाड़ा सजने से पहले ही वह अपनी हार मान चुकी है। यहां से तो चाचा ने भी पलायन करना ठीक समझा और भतीजे के पांव भी पहले ही उखड़ चुके हैं। सपा ने यही काम शाहजहांपुर, रामपुर और मेरठ में भी किया

है। मगर जनता कह रही है कि इससे कोई फायदा होने वाला नहीं, वह सपा के पुराने सभी कारनामों का हिसाब-किताब करेगी।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को उसके मेनिफेस्टो के आधार पर आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कांग्रेस देश के खिलाफ हिडेन एजेंडे पर काम कर रही है। सीएम योगी रविवार को बिल्सी में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी और क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य के लिए विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि पहले के पीएम अयोध्या जाने से संकोच करते थे। मोदी जी पहले प्रधानमंत्री हैं जो अयोध्या में राम जन्मभूमि दर्शन को गये और रामलला को 500 साल बाद उनके भव्य मंदिर में विराजमान भी कर दिया। सीएम ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस वे से जुड़ने के बाद यह क्षेत्र औद्योगिक विकास की प्रक्रिया का हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बदायूं हमेशा सकारात्मक शक्तियों के साथ रहा है। कहा 2014 से पहले भारत में आतंकी विस्फोट हुआ करते थे तब पाकिस्तान में जश्न मनता था और भारत की सरकार मौन रहती थी। आज पाकिस्तान पटाखे छूटने पर भी सफाई देने लगता है, क्योंकि उसे पता है कि कब कहां सर्जिकल स्ट्राइक हो जाए। आज देश सुरक्षा, समृद्धि और सम्मान के साथ हाईवे-एक्सप्रेस वे तथा विकास के नये-नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं की लंबी श्रृंखला जनता के लिए उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों में आस्था के साथ खिलवाड़ किया जाता था। कांग्रेस के लोग कहते थे कि राम और कृष्ण हुए ही नहीं। आज 500 साल का इंतजार खत्म हो चुका है और रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गये हैं। उन्होंने कहा कि बहकाने वाले बहुत आएंगे, हमें किसी के बहकावे में नहीं आना है।

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने भारतीय विद्यार्थियों से ऑनलाइन चर्चा की

नई दिल्ली/वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के दूतावास ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भारतीय छात्र-छात्राओं के साथ परीक्षा सत्र से पहले एक संवाद का आयोजन किया और उन्हें इस समय अपनी अपनी परीक्षाओं की तैयारी पर ध्यान केंद्रित रखने की सलाह दी। इस चर्चा में राजनयिकों ने विद्यार्थियों को यह भी समझाया कि वह आवश्यकता पड़ने पर किस तरह भारतीय दूतावास और वाणिज्य जनता आवास के अधिकारियों के साथ संपर्क कर सकते हैं। यह पर चर्चा ऐसे समय आयोजित की गई जबकि अमेरिका में कई विश्वविद्यालय में इसराइल और यहूदी समुदाय के खिलाफ उग्र प्रदर्शन की घटनाएं हुई है। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने

रविवार को बताया कि यह चर्चा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई। दूतावास ने कहा, भारतीय विद्यार्थियों के साथ एक आभासी बातचीत में, दूतावास के चार्ज दी अफेयर्स श्वरंगनाथनट्ठएसआर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के महावाणिज्य दूत के साथ, छात्र-छात्राओं कल्याण के पहलुओं, इस समय चल रहे परीक्षा सत्र के दौरान ध्यान केंद्रित रहने की आवश्यकता और अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास और वाणिज्यिक दूतावास मिशनों के साथ संपर्क में रहने के तरीकों पर चर्चा की। गौरतलब है कि अमेरिका के कई उच्च शिक्षा संस्थानों में इजरायल विरोधी प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा है।

दिल्ली में आप के साथ गठबंधन से नाराज लवली का इस्तीफा

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना,
सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने प्रदेश के प्रभारी महासचिव पर मनमानी करने तथा दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ चुनावी गठबंधन के विरोध में अपने पद से रविवार को इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि श्री लवली का इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को मिल गया है लेकिन त्यागपत्र को अभी स्वीकार नहीं किया गया है और उसमें लिखे बिंदुओं पर गौर किया जा रहा है।

श्री लवली ने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को भेजा है और उनका आभार जताया है कि उन्होंने गत वर्ष अगस्त में उन्हें फिर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस का नेतृत्व सौंपा था। पत्र में उन्होंने लिखा कि पिछले 7-8 महीने के दौरान उन्होंने दिल्ली के सभी सात लोकसभा संसदीय क्षेत्रों का दौरा किया और नाराज कार्यकर्ताओं तथा पार्टी छोड़ चुके कई कांग्रेसी नेताओं को फिर पार्टी में शामिल कर कांग्रेस को दिल्ली में मजबूत करने का काम किया लेकिन पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने मनमानी से दिल्ली को लेकर फैसले लिए जिसके विरोध में वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा है कि दिल्ली कांग्रेस उस आम आदमी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन के खिलाफ थी जो कांग्रेस के विरुद्ध झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के एकमात्र आधार पर गठित हुई थी। इसके बावजूद कांग्रेस नेतृत्व ने दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए आप के साथ गठबंधन किया है। पार्टी नेतृत्व की इस निर्णय से कांग्रेस कार्यकर्ता खुश नहीं है इसलिए उन्होंने दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है। श्री लवली ने कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं की नाराजगी का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि जब लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर बैठक हो रही थी तो प्रदेश कार्यालय के बाहर दिल्ली के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने गठबंधन को लेकर पार्टी नेतृत्व के फैसले को स्वीकार किया है। उन्होंने दिल्ली के प्रभारी दीपक बावरिया का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा और कहा कि प्रभारी महासचिव की मनमानी ज्यादा ही बढ़ गई है इसलिए वह पद छोड़ रहे हैं। श्री लवली के मुताबिक उन पर श्री बाबरिया के खिलाफ रहने वाले नेताओं को पार्टी से बाहर करने का भारी दबाव है। श्री लवली ने लिखा,यह पत्र में बहुत भारी मन से लिख रहा हूं। मैं पार्टी में खुद को एकदम लाचार महसूस कर रहा हूँ इसलिए अब दिल्ली के अध्यक्ष पद पर बना नहीं रह सकता। दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के सर्वसम्मत सभी फैसलों पर भी दिल्ली के प्रभारी रोक लगा देते हैं। जब से मुझे दिल्ली का पार्टी चीफ बनाया गया है तब से मुझे किसी को भी सीनियर पद पर नियुक्त करने की अनुमति नहीं है। श्री लवली यही नहीं रुके और उन्होंने पत्र में आगे लिखा,मैंने एक अनुभवी नेता को मीडिया प्रभारी नियुक्ति का अनुरोध किया लेकिन प्रभारी ने इसे भी खारिज कर दिया। हालात यह हैं कि दिल्ली प्रभारी ने अब तक ब्लॉक प्रभारी नियुक्त करने की अनुमति भी नहीं दी है जिसकी वज़ह से अब तक दिल्ली के 150 ब्लॉक में प्रभारियों की नियुक्ति नहीं हो सकी है। कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे तीन पेज की पत्र में श्री लवली ने कई फैसलों पर अप्पत्ति जताते हुए कहा है कि इन सब परिस्थितियों के बीच वह पद पर बने नहीं रह सकते हैं। गौरतलब है कि श्री लवली 15 साल तक दिल्ली में रही शीला दीक्षित सरकार में शिक्षा तथा पर्यटन जैसे मंत्रालयों की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। वह 2017 में नगर निगम चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए लेकिन एक साल के भीतर ही पार्टी में लौट आये। कांग्रेस में घर वापसी करते हुए श्री लवली ने भाजपा के साथ खुद को वैचारिक रूप से मिसफिट बताया था। श्री लवली ने कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं की नाराजगी का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि जब लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर बैठक हो रही थी तो प्रदेश कार्यालय के बाहर दिल्ली के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने गठबंधन को लेकर पार्टी नेतृत्व के फैसले को स्वीकार किया है। उन्होंने दिल्ली के प्रभारी दीपक बावरिया का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा और कहा कि प्रभारी महासचिव की मनमानी ज्यादा ही बढ़ गई है इसलिए वह पद छोड़ रहे हैं। श्री लवली के मुताबिक उन पर श्री बाबरिया के खिलाफ रहने वाले नेताओं को पार्टी से बाहर करने का भारी दबाव है। श्री लवली ने लिखा,यह पत्र में बहुत भारी मन से लिख रहा हूं। मैं पार्टी में खुद को एकदम लाचार महसूस कर रहा हूँ इसलिए अब दिल्ली के अध्यक्ष पद पर बना नहीं रह सकता।

चुनाव आयोग ने लगाई आप के सांग पर रोक-आप

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। आप ने चुनाव आयोग पर प्रचार के लिए बनाए गए सांग पर रोक लगाने का आरोप लगाया है। पार्टी ने 'जेल का जबाव वोट से देंगे' गाना तैयार किया था। रविवार को मंत्री आतिशी ने कहा कि विपक्षी पार्टियों को प्रचार करने से रोकने के लिए ऐसा किया जा रहा है। इससे पहले केंद्र सरकार ने आप नेताओं पर गलत मुकदमे किए। लोकसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया। ऐसा केवल उन्हें प्रचार करने से रोकने के लिए किया गया है। भाजपा के कहने पर ही चुनाव आयोग विपक्षी पार्टियों को प्रचार करने से रोक रहा है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने एक पत्र के माध्यम से आप के सांग पर रोक लगा दी है। ये भारत के इतिहास में पहली बार होगा जब किसी पार्टी के कैंपेन सांग पर आयोग ने रोक लगा दी होगी। आयोग भाजपा की तरफ ध्यान नहीं देता। भाजपा ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल कर विपक्ष के नेताओं को जेल में डालती है तो चुनाव आयोग को कोई आपत्ति नहीं होती है। पार्टी के सांग में कही पर भी भाजपा का नाम नहीं है, लेकिन चुनाव आयोग का कहना है कि इसमें सरकार के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल है। जिस तरह से ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल कर विपक्ष के नेताओं को जेल में डाला जा रहा है, उस तरह से कांग्रेस के बैंक खातों को सीज किया गया और अब आप के प्रचार को रोका जा रहा है। यह साफ करता है कि भाजपा गठबंधन से परेशान है।

आप के आरोप को चुनाव आयोग ने सिरे से खारिज कर दिया। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आप के सांग पर रोक नहीं लगाई गई है। पार्टी को बताया गया है कि सांग में कुछ ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है जिसमें बदलाव की जरूरत है। इसी संशोधन के लिए गाने को वापस भेजा गया है। अगर आप को इस पर आपत्ति है तो वह मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में अपील कर सकती है।

डिजिटल चुनाव प्रचार के लिए वीडियो, रील, भाषण, सांग आदि प्रसारित करने के लिए पहले चुनाव आयोग के मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) से प्रमाणित कराना होता है। इसके लिए राजनीतिक दलों को आवेदन देना होता है। आवेदन के 48 घंटे के भीतर इसकी स्वीकृति दी जाती है। चुनाव प्रचार के लिए राजनीतिक दलों की ओर से तैयार डिजिटल सामग्री में किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ टिप्पणी, न्यायालय के खिलाफ टिप्पणी, धर्म, जाति या किसी महिला की भावना को आहत आदि से संबंधित प्रमुख तथ्यों की जांच की जाती है।

केजरीवाल को गिरफ्तारी कर विपक्ष की आवाज दबाई जा रही-आप

नई दिल्ली। आप ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर विपक्ष की आवाज को दबाने का आरोप लगाया है। रविवार को आप मुख्यालय में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल द्वारा गिरफ्तारी को दी गई चुनौती वाली याचिका पर सुनवाई होनी है। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक हलफनामे के जरिये अपना पक्ष रखा है। हलफनामे में कहा गया है कि देश के सबसे बड़े चुनाव के दौरान राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष को झूठे मुकदमे में गिरफ्तार किया गया है।

जांच एजेंसियों का काम होता है सच्चाई को कोर्ट के सामने रखना, लेकिन सीबीआई और ईडी ने जो साक्ष्य रखे हैं, उसमें अगर एक लाख पन्नों के दस्तावेज सीबीआई और ईडी को मिले, तो इसमें से 80 हजार पन्नों के दस्तावेज को कोर्ट के सामने नहीं रखा गया। इसमें मुख्यमंत्री के पक्ष की बात थी। मुख्यमंत्री के खिलाफ गलत तरीके से गवाहियां ली गई हैं। इन तथ्यों को कोर्ट में रखा गया है। हमें यकीन है कि देश में प्रजातंत्र को बचाने के लिए और चुनाव प्रणाली की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल को चुनाव प्रचार करने की अनुमति जरूर देगा। भारद्वाज ने कहा कि लगभग 2 साल से ईडी और सीबीआई इस मामले में जांच कर रही हैं। दर्जनों नोटिस ईडी और सीबीआई द्वारा जारी किए जा चुके हैं, लेकिन केजरीवाल के खिलाफ एक भी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। केजरीवाल विपक्ष की मुखर आवाज है। यदि वह जेल के बाहर होते तो इंडिया गठबंधन के सभी पार्टियों के लिए प्रचार के लिए जाते।

सरेराह बच्चों के सामने पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत नगर इलाके में शनिवार रात को घरेलू विवाद में एक शख्स ने बच्चों के सामने सरेराह अपनी पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। आरोपी इस बात से नाराज था कि पत्नी उसे बच्चों से मिलने नहीं दे रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही खून से लथपथ चाकू और कपड़ा बरामद कर लिया।

जानकारी के अनुसार 27 वर्षीय अफसाना की शादी छह साल पहले जहांगीरपुरी निवासी मोहम्मद जावेद से हुई थी। दंपति को तीन साल का बेटा और एक साल की बेटी है। परिजनों ने बताया कि दो साल से अफसाना का पति से विवाद चल रहा था। अक्सर जावेद उसे पीटता था। जावेद की हरकत से तंग आकर इस वर्ष जनवरी में वह बुनकर कालोनी स्थित अपने मायके में रहने लगी। बताया जा रहा है कि दोनों में विवाद इतना बढ़ गया था कि अफसाना ने पति से मिलना बंद कर दिया और यहां तक कि बच्चों को भी मिलने नहीं देती थी। विवाद को लेकर अफसाना बीमार भी रहने लगी थी। दोनों के बीच विवाद सुलझाने के लिए 21 अप्रैल को कुछ रिश्तेदार जमा हुए थे। उस दौरान अफसाना के परिजनों ने कहा कि बेटी की तबियत ठीक हो जाने के बाद वे ससुराल भेज देंगे, लेकिन जावेद अपने साथ ले जाने पर अड़ा हुआ था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जावेद ने हत्या की योजना चार दिन पहले बना ली थी। वह तीन दिन से लगातार रात आठ से नौ के बीच में बुनकर कालोनी के आसपास घूमता था। उसकी योजना अफसाना की हत्या कर भागने की थी। इस बीच अफसाना अपने दोनों बच्चों और बहन मुस्कान के साथ बाजार से सामान खरीदने के लिए निकली। जावेद ने पहले पत्नी को रोका और साथ चलने के लिए कहा। जब उसने मना किया तो ताबड़तोड़ चाकू से वार करना शुरू कर दिया। इस दौरान उसकी गोद में एक साल की बच्ची भी थी। जावेद हाथ में चाकू लहराते हुए भागने लगा। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हालांकि, लोगों ने उसका पीछा किया और कुछ दूर जाकर दबोच लिया। इसके बाद पुलिस को बुलाकर आरोपी को सौंप दिया।

एटीएम में कार्ड रीडर लगाकर ठगी करने वाले तीन दबोचे

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस ने एटीएम में कार्ड रीडर लगाकर ठगी करने वाले तीन बदमाशों को 26 अप्रैल को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान विशाल नेगी, अमित मेहरा और विजय कुमार के रूप में हुई है। इनके पास से पिस्तौल, तीन कारतूस, क्रेटा कार, एटीएम मशीन तोड़ने वाला उपकरण और तीन मोबाइल बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि 19 अप्रैल की शाम 7 बजे हौज खास के गौतम नगर में एक एटीएम मशीन को तोड़ने की कोशिश के दौरान पकड़े जाने पर फायरिंग करने की सूचना मिली। मौके पर मिले लोगों ने बताया कि दो बदमाश एटीएम तोड़ रहे थे उन्हें लोगों ने रंगहाथ पकड़ लिया, जिसके बाद दोनों बदमाशों ने लोगों पर फायरिंग कर दी और वहां से फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। इंस्पेक्टर उमेश यादव की टीम को भी जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की जिससे पुलिस को तीन संदिग्ध लोगों की फोटो मिले। फुटेज में एक फर्जी नम्बर की कार भी दिखाई दी। जांच के दौरान पुलिस को एक मोबाइल नम्बर भी मिला। इस मोबाइल नम्बर को सर्विलांस पर लगाया और इसकी मदद से नोएडा से पुलिस ने विशाल नेगी को गिरफ्तार कर लिया। विशाल से पूछताछ के बाद उसके बाकि दोनों साथी अमित मेहरा और विजय कुमार पकड़े गए। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह दिल्ली के विभिन्न इलाको से करीब 25 से ज्यादा एटीएम में छेड़छाड़ कर लोगों से ठगी कर चुके हैं। आरोपियों ने बताया कि वह कार्ड रीडर डिवाइस लगाकर हटा देते थे। जब कोई पैसे निकालने के लिए आता था तो मशीन न तो कार्ड वापस करती थी और न ही पैसे निकालती थी। जिसके बाद आरोपी मदद करने के बहाने लोगों के साथ ठगी करते थे।

डीयू कॉलेजों को स्नातक कोर्स के दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन अंक भेजने का निर्देश

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने स्नातक कोर्सेज की दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर की मई-जून में होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं से पहले कॉलेजों को आतंरिक मूल्यांकन के अंक भेजने का निर्देश दिया गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि अंकों की विस्तृत जांच और उनके उचित मॉडरेशन के बाद ही भेजा जाए। इसके लिए कॉलेजों को 20 मई तक का समय दिया गया है।

इसे लेकर डीयू के सभी कॉलेजों के प्रिंसिपल को पत्र भेज दिया है, जिसमें कहा गया है कि सेमेस्टर परीक्षाएं मई-जून में होनी हैं। ऐसे में कॉलेज पोर्टल खुलने पर अपने कॉलेज के छात्रों के आंतरिक मूल्यांकन के अंक ऑनलाइन भेजें। आंतरिक मूल्यांकन अंक ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि 20 मई 2024 शाम पांच बजे तक होगी। इसके बाद सुविधा बंद कर दी जाएगी। कॉलेजों को आंतरिक मूल्यांकन निगरानी समिति के सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित प्रति के साथ छात्रों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित आंतरिक मूल्यांकन अंकों की हार्ड कॉपी (प्रिंट आउट) परीक्षा विंग में जमा करने के लिए कहा गया है। यदि आंतरिक मूल्यांकन अंकों में सुधार की आवश्यकता हो तो इसकी सूचना तुरंत परीक्षा नियंत्रक कार्यालय को दी जाए, ताकि छात्र के परिणाम में किसी भी तरह की विसंगति से बचा जा सके। यदि कॉलेज समय पर सटीक और संपूर्ण जानकारी देंगे तो परीक्षा शाखा को रिजल्ट को सटीक व सही समय पर जारी करने में आसानी होगी। इससे छात्रों और शिक्षकों को परीक्षा परिणाम में त्रुटि होने के बाद होने वाली परेशानियों से बचाया जा सकेगा। बता दें कि इसी महीने डीयू के कई सेमेस्टर परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम को लेकर छात्रों ने विरोध जताया था। परीक्षा में उपस्थित होने के बाद भी कई छात्रों को अनुपस्थित दिखाया गया, जिससे नाराज छात्रों ने परीक्षा शाखा का घेराव कर कड़ी आपत्ति जतायी और समाधान की गुहार लगायी. इसके बाद परीक्षा शाखा ने कई बच्चों की उपस्थिति के आधार पर उनके रिजल्ट में सुधार किया। साथ ही जो छात्र रह गए हैं, उनकी उपस्थिति जांच कर उनके परीक्षा परिणाम में सुधार किया जा रहा है।

डीयू अटेंडेंस विवाद में छात्र ने टीचर पर लगाया हाथ पर काटने का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कैंपस लॉ सेंटर (सीएलसी) मं अटेंडेंस दर्ज कराने को लेकर एक शिक्षिका और छात्र में विवाद हो गया। जिसमें छात्र ने टीचर पर आरोप लगाया है कि शिक्षिका ने उसके हाथ पर काट लिया। इस मामले में शनिवार को छात्रों ने सीएलसी में प्रदर्शन किया और शिक्षिका को क्लास से हटाने की मांग करने लगे। डीयू प्रशासन ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है।

शिक्षिका और छात्र दोनों ने लिखित में शिकायत की है। पीड़ित छात्र ने बताया कि वे किसी काम से बाहर होने के कारण क्लास अटेंड नहीं कर पाए, लेकिन महीने की शुरुआत में वे क्लास गए थे। अब वे करीब 15 दिन बाद लौटे तो शिक्षिका ने उनकी हाजिरी लगाने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं उनकी बेइज्जती भी की गई और कहा गया कि वे एक दिन भी क्लास में नहीं आए, इसलिए उनका अटेंडेंस नहीं लगाया जाएगा। इस दौरान छात्र अपनी क्लास से बाहर चले गये. छात्र ने दावा किया है कि जब वह बाहर जा रहा था तो टीचर ने उसके परिवार के बारे में टिप्पणी की। छात्र ने कहा कि भले ही वे हमें क्लास में नहीं आने दें, लेकिन उन्हें मेरे परिवार पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। इस पर वह वापस लौटे और वीडियो बनाते हुए उनसे अपनी टिप्पणी दोबारा करने को कहा, इस पर वह गुस्सा हो गई और उसके हाथ पर काट लिया। छात्र ने बताया कि उन्होंने विधि संकाय की डीन से शिकायत की है। छात्रों ने हस्ताक्षर कर एक पत्र सौंपा है, जिसमें शिक्षिका को कक्षा से हटाने की मांग की गई है. वहीं, शिक्षिका ने भी वीडियो उपलब्ध कराया है और लिखित शिकायत समिति को भेजी है। पूरे मामले पर संज्ञान लेते हुए डीयू प्रशासन ने एक समिति गठित की है, जिसका अध्यक्ष प्रो. चंद्रशेखर को बनाया गया है। प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि दोनों पक्षों की शिकायत मिल गई है। घटना के वक्त मौजूद छात्रों के नाम भी दिए गए हैं। सभी से बात करने के लिए जल्द एक बैठक बुलाई जाएगी।

पुलिस अधिकारी के बयान पर दोष सिद्धि संभव : हाई कोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने चेन-स्नैचिंग मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। अदालत ने कहा कि सार्वजनिक गवाह की अनुपस्थिति में पुलिस अधिकारियों की एकमात्र गवाही पर दोषसिद्धि दर्ज की जा सकती है। न्यामूर्ति रजनीश भटनागर की सिंगल बेंच ने कहा कि यह सामान्य ज्ञान की बात है कि सार्वजनिक क्षेत्र के व्यक्ति अक्सर जांच कार्यवाही में भाग लेने में अनिच्छा प्रदर्शित करते हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक गवाहों को शामिल करने में जांच अधिकारी की विफलता को एक प्रक्रियात्मक चूक माना जा सकता है, लेकिन यह आरोपमुक्त किए जाने का एकमात्र कारण नहीं हो सकता है। न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की एकल पीठ ने कहा, जहां तक सार्वजनिक गवाहों के शामिल न होने का सवाल है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि आईओ सार्वजनिक गवाहों में शामिल नहीं हुआ है, लेकिन यह अपने आप में अभियोजन के पूरे मामले को गलत साबित नहीं करता है। आधिकारिक गवाहों की गवाही को केवल इस आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता है कि आईओ सार्वजनिक गवाहों को शामिल करने में विफल रहा। आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 186, 353, 411, 34 और आर्म्स एक्ट की धारा 27, 54 और 59 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को आईपीसी की धारा 379 के तहत दोषी ठहराया और उन्हें तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने आरोपी को सजा की शेष अवधि काटने के लिए ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया।

केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर एससी में सुनवाई आज

नई दिल्ली। शराब नीति घोटाले के आरोप में अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं. तब से वे हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों में कई बार याचिका अपील कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई राहत नहीं मिली है। इस बीच एक बार फिर अरविंद केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट में दस्तक देने जा रहे हैं। जहां अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई होने वाली है, जिसमें आप नेताओं ने उम्मीद जताई है कि कोर्ट से लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अरविंद केजरीवाल को जरूर जमानत मिलेगी। उधर, पार्टी नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हलफनामे के जरिए सुप्रीम कोर्ट के सामने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि यह कोई संयोग नहीं है कि देश में सबसे बड़ा चुनाव हो रहा है। आचार संहिता लागू होने के पांच दिन के अंदर ही देश की राष्ट्रीय विपक्षी पार्टी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को झूठे मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। इस कथित शराब नीति घोटाले की जांच ईडी और सीबीआई दो साल से कर रही है, लेकिन अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है। लोकसभा चुनाव में सभी को बराबरी का मौका नहीं मिल रहा है। गिरफ़्तारी के ज़रिए प्रचार रोकने की कोशिश की गई। अगर केजरीवाल जेल से बाहर होते तो वे महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के लिए, उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के लिए और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी समेत इंडिया अलायंस की पार्टियों के लिए प्रचार कर रहे होते। अरविंद केजरीवाल ने हलफनामे में आगे कहा कि ईडी और सीबीआई जांच एजेंसियां हैं, जिनका काम सच साबित करना है न कि अरविंद केजरीवाल को गलत साबित करना। कोर्ट के सामने ऐसे दस्तावेज नहीं रखे गए, जिनमें अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कुछ भी नहीं था। बल्कि उनके खिलाफ जबरन गवाही दिलाई गई और फिर वही दस्तावेज कोर्ट में रखे गए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उम्मीद है कि कोर्ट इस वक्त उन्हें चुनाव प्रचार के लिए राहत जरूर देगा।

अब दिल्ली की जनता कर रही आम आदमी पार्टी का प्रचार- आतिशी

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने 'जेल का जवाब वोट से कैंपेन के तहत रविवार सुबह वॉकथॉन की। देशबंधु कॉलेज के पास आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के सांसद और विधायकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल की फोटो और जेल का जवाब वोट से का संदेश लिखी हुई टीशर्ट पहनकर शामिल हुए। आम आदमी पार्टी ने इस वॉकथॉन में वॉशिंग मशीन लगाकर भाजपा में अन्य दलों के नेताओं की ज्वाइनिंग पर भी कटाक्ष किया। आप की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की साजिशन गिरफ्तारी के बाद विरोधी सोच रहे थे कि आम आदमी पार्टी प्रचार नहीं कर पाएगी, लेकिन अब दिल्ली की जनता एकजुट हो गई और आप का प्रचार कर रही है।

वॉकथान के दौरान लगाई गई वॉशिंग मशीन को लेकर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह भाजपा की वॉशिंग मशीन है और इसमें भ्रष्टाचारियों के सारे पाप धुल जाते हैं। उन्होंने इसके जरिए भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे महाराष्ट्र के कई नेताओं की भाजपा में ज्वाइनिंग पर कटाक्ष कर जनता के सामने इसे मुद्दा बनाया। उन्होंने लोगों के सामने प्रतीक स्वरूप नामचीन चार लोगों को वॉशिंग मशीन में डाला और कुछ देर बाद वे सभी एक दल की टीशर्ट पहनकर बाहर आ गए। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि जिन लोगों को भाजपा ने पहले भ्रष्टाचारी बताया था, पार्टी में शामिल किए के बाद उन्हें मुख्यमंत्री जैसे अहम पद या लोकसभा के टिकट दे दिए गए। इनमें से कई नेता मुकदमों में भी बरी हो गए हैं। विपक्षी दल के साथ-साथ उन्होंने तिहाड़ जेल प्रशासन को निशाना बनाते हुए कहा कि शुगर के मरीज अरविंद केजरीवाल की इंसुलिन रोककर जेल प्रशासन ने उनकी जान लेने की कोशिश की। उन्हें परिवार और सांसदों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल को तोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वह टूटने वाले नहीं हैं। इस दौरान राज्यसभा सदस्य एनडी गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता, आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सोमनाथ भारती व सहीराम पहलवान भी मौजूद रहे।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अब भाजपा घबराई हुई है। उनके चुनाव प्रचार में यह घबराहट रोज झलक रही है। जब उनका प्रचार शुरु हुआ था, तब पार्टी के बड़े नेता कहते थे कि वह 2048 तक का रोड मैप तैयार कर रहे हैं। वे बता रहे थे कि 400 पार जाने बाद किस तरह से देश को आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संविधान को बदलने की बात कही। भाजपा नेता 2024 की तो बात ही नहीं कर रहे हैं, सीधे 2048 की बात कर रहे हैं। दो चरणों का मतदान हो जाने के बाद अब भाजपा नेता कह रहे हैं कि अगर विपक्षी पार्टियां सत्ता में आ जाएंगी तो ऐसा हो जाएगा, वैसा हो जाएगा। यानि भाजपा नेताओं को अब दिखने लगा है कि इस बार विपक्षी पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

एक नजर

आम चुनाव में मतदान करने के लिए मैराथन से दिया संदेश

गुरुग्राम,एजेंसी। जिला प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे स्वीप अभियान के तहत आज सुबह 6 बजे ताऊ देवीलाल स्टेडियम से मेफील्ड गार्डन और वापस स्टेडियम परिसर तक पांच किलोमीटर की मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें एक हजार से अधिक खिलाडियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं एडीसी हितेश कुमार मीणा ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन रेस को रवाना किया।

एडीसी हितेश कुमार मीणा ने इस अवसर पर कहा कि जिला में शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वीप अभियान के तहत विभिन्न प्रकार की जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज यह पांच किलोमीटर की मैराथन आयोजित की गई है। सुबह 6 बजे ताऊ देवीलाल स्टेडियम से शुरू हुई मैराथन मेदांता हॉस्पिटल, बख्तावर चौक, मेफील्ड गार्डन से यू टर्न लेकर वापस स्टेडियम परिसर में समाप्त हुई। मैराथन में स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, स्काउट गाइड, रैडक्रास वालंटियर व नेहरू युवा केन्द्र के वालंटियर शामिल हुए। इस अवसर पर जिम्नास्टिक, क्रिकेट, जुडो, हाकी, बाक्सिंग व ताईक्वांडो आदि खेल प्रदर्शनी के तौर पर खिलाडियों के बीच करवाए गए, जिससे कि उनका उत्साहवर्धन हो सके। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि मैराथन से लोगों को स्वस्थ और फिट रहने के साथ-साथ 25 मई को वोट देने का भी संदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिला में चुनाव का पर्व-देश का गर्व के नारे के साथ मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। सोशल मीडिया पर मतदाता जागरूकता के संदेशों को हैशटेग गुरूग्राम के साथ शेयर किया जा रहा है। एडीसी ने इस मौके पर चुनाव से संबधित करवाई गई क्विज कंपीटिशन के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। खेल विभाग तथा निर्वाचन विभाग के सहयोग से आयोजित की गई मैराथन में बुजुर्ग से लेकर छोटे बच्चों तक ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी रामनिवास, सीएसआर ट्रस्ट के एडिशनल सीईओ गौरव सिंह, अनिल कुमार, संतलाल इत्यादि मौजूद रहे।

बास्केटबाल चैंपियनशिप में चंडीगढ़ की टीम ने उप्र को हराया

गुरुग्राम। ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित की जा रही 67 वीं नेशनल स्कूल ब्वायज बॉस्केटबाल चैंपियनशिप में दर्शकों को काफी रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। इस प्रतियोगिता में देश भर से आई 44 टीमें भाग ले रही हैं। शिक्षा विभाग के सहयोग से स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है इस खेल प्रतियोगिता में रविवार को तेलंगाना की टीम ने 66 अंक अर्जित कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को चार गोल से हराया। हिमाचल टीम ने 62 अंक अर्जित किए। तमिलनाडु की टीम ने उत्तराखंड को हराया। तमिलनाडु ने 76 तथा उत्तराखंड की टीम ने 29 गोल किए। पंजाब के खिलाडियों ने 69 गोल करते हुए पांडिचेरी की टीम को 49 अंकों के बड़े अंतर से पराजित किया।

सीआईएससीई की टीम ने 49-15 के अंतर से मेघालय की स्कूल टीम को शिकस्त दी। गुजरात के खिलाडियों ने 79 अंक लेकर (एनवीएस नवोदय विद्यालय संगठन) को 39 गोल से पराजित किया। बास्केटबाल में उत्तरप्रदेश और चंडीगढ़ का काफी नजदीकी मुकाबला रहा। चंडीगढ़ ने 77 गोल करके उत्तरप्रदेश की टीम को 12 अंकों से पराजित किया। नेशनल बास्केटबाल प्रतियोगिता में ओड़ीसा की टीम ने 52 गोल करके मध्यप्रदेश को मात्र एक अंक से हराकर जीत हासिल की। पश्चिम बंगाल की टीम ने 61-55 के स्कोर से आंध्रप्रदेश को पराजित किया। केवीएस (केंद्रीय विद्यालय संगठन) की टीम ने 64 गोल कर विद्याभारती की टीम पर विजय प्राप्त की। विद्या भारती के खिलाड़ी इस कड़े मुकाबले में 43 गोल कर पाए। यह प्रतियोगिता तीस अप्रैल तक जारी रहेगी।

वाइस प्रिंसिपल भाभी पर चाकुओं हमला कर देवर ने उतारा मौत के घाट

गुरुग्राम। शनिवार रात को देवर ने अपनी भाभी पर चाकूओं से कई वारकर उसको मौत के घाट उतार दिया। वहीं शोर सुनकर आए भतीजे ने जब बीच-बचाव करवाने का प्रयास किया,तो आरोपी ने उस पर भी हमला कर दिया।इस घटना में आरोपी भी गंभीर रूप से घायल हो गया,जिसका भी अस्पताल में इलाज चल रहा है।शिवाजी नगर पुलिस ने मृतका महिला के बेटे की शिकायत पर हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।हालांकि अभी तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार शिवाजी नगर की गली नंबर 15 में शनिवार देर रात नौ बजे के लगभग आरोपी 45 वर्षीय नवनीत उर्फ संटी ने अपनी 39 वर्षीय भाभी निधी पर चाकूओ से हमला कर दिया।चीख-पूकार की आवाज सुनकर निधी का बेटा नीचे से उपर आने लगा,तो छत का दरवाजा बंद था।आनन-फानन में पड़ोसियों की छत से वह अपने घर की छत पर जाकर देखा कि उसका चाचा मां निधी पर चाकूओं से ताबड़-तोड़ हमला कर रहा है।जब उसने मां को बचाने का प्रयास किया,तो आरोपी संटी ने भतीजे पर भी चाकू से हमला कर घायल कर दिया।उसके बाद परिवार के लोग पहुंचे और गंभीर हालत में निधी को इलाज के लिए अस्पताल में लेकर गए,जहां पर डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल पर काफी खून पड़ा हुआ मिला और महिला को अस्पताल लेकर परिजन जा चुके थे।हत्यारोपी संटी भी गंभीर रूप से घायल हुआ था,उसको भी अस्पताल में भर्ती करवाया गया,जहां पर पुलिस की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

संदीप दीक्षित ने अरविंदर सिंह लवली का दर्द बयां किया, वीरेंद्र सचदेवा बोले- जमीनी नेता कांग्रेस से परेशान

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस पार्टी के पिछले 30 साल के सिपाही अरविंदर सिंह लवली ने आज 28 अप्रैल को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे की वजह उन्होंने में एक के बाद एक कई पार्टी की कई कमियां बताई हैं। लवली के इस्तीफे पर अब कांग्रेस के समेत विपक्षी दलों के नेताओं के बयान सामने आए हैं। कांग्रेस के नेता लवली के इस्तीफे को चौंकाने वाला बताया है, तो वहीं पर बीजेपी का कहना है कि पार्टी के जमीनी स्तर के नेता तंग आ चुके हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी के नेताओं का भी बयान सामने आया है। वहीं, कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने लवली के इस्तीफे पर सुर में सुर मिलाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस का कार्यकर्ता होकर उनमें (अरविंदर सिंह लवली) एक व्यक्तिगत पीड़ा है। दिल्ली में हम अपनी पुरानी साख को लाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस

का अध्यक्ष बनना कांटों का ताज है। इसके बावजूद पिछले 6-8 महीने में उन्होंने मेहनत करके पार्टी खड़ी की। सबको ये लगा था कि धीरे-धीरे कांग्रेस जागृत हो रही है। लेकिन पार्टी सीट बंटवारे पर किसी का ख्याल ही नहीं रखा। गठबंधन में जब हमें 2 या 3 सीटें मिलती है तो ऐसा लगता है कि अगर हम कांग्रेस के सभी लोगों की सहमति के साथ लोगों को सीट दें तो आगे गाड़ी बेहतर चलेगी। अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे के बाद कांग्रेस नेता सुभाष चोपड़ा ने लवली से मुलाकात की। इसके बाद चोपड़ा में कहा कि मैंने कारण जानना चाहा कि उन्होंने (अरविंदर सिंह लवली) क्यों इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा कि वे पार्टी को कारण बता चुके हैं। ये हम सभी के लिए चौकाने वाला है, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल अपने पद से इस्तीफा दिया है पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया है। ये पार्टी का आंतरिक मामला है। वे पार्टी में हैं और पार्टी के साथ हैं। लवली के इस्तीफा देने पर दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों के इंडिया गठबंधन के तथाकथित प्रमुख दल कांग्रेस में ही आपसी सहमति नहीं है। जिस दल कांग्रेस में न लोकतंत्र है और न ही सेवा की सोच, उसमें मूल्यों को महत्व देने वाले व्यक्ति रह ही नहीं सकते। सचदेवा ने कहा कि मैंने कहता था कि %दल मिले हैं, दिल नहीं मिले%। कांग्रेस ने खुद इसे साबित कर दिया है। जिस दिन कांग्रेस से कन्हैया कुमार और उदित राज को टिकट मिला, हम कहा कि कांग्रेस ने खुद को बर्बाद कर लिया है, दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली का इस्तीफा इसी का नतीजा है।

चोरी मामले में कबाड़ी गिरफ्तार, लाखों की नगदी बरामद

फरीदाबाद। जनवरी 2024 में सेक्टर-58 थाना एरिया में वर्कशॉप में सेंधमारी कर सामान चोरी करने के मामले में क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 पुलिस टीम ने चौथे आरोपी कबाड़ी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से वायर के 5 बंडल तथा एक लाख 57 हजार रूपए नकद बरामद किए है। क्राइम ब्रांच 56 प्रभारी शीशपाल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम आरिफ है जो पलवल की शेखपुरा कॉलोनी का रहने वाला है। कबाड़ी का काम करता है। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने आरोपी आदिल, शाहिद तथा जाफिर उर्फ मन्नू को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी शाहिद हथीन में कबाड़ी का काम करता है। आरोपी आदिल तथा मन्नू ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर जनवरी महीने में सेक्टर 58 थाना एरिया में स्थित एक वर्कशॉप में दीवार तोडकर वहां से कॉपर वायर के बंडल तथा सबमर्सिबल पंप चोरी किए थे। थाने में चोरी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसमें पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाश की जा रही थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए फरवरी 2024 में आरोपी आदिल तथा शहीद और मार्च महीने में आरोपी मन्नू को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी आदिल तथा मन्नू ने अपने साथियों के साथ सामान चोरी करके इसे कबाड़ी शाहिद को बेचा था और शाहिद ने इसे आगे आरोपी कबाड़ी आरिफ को 1.70 लाख रुपए में बेच दिया। आरोपियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने कल आरोपी कबाड़ी आरिफ को गुर्जर चौक से गिरफ्तार कर लिया और उसे अदालत में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया जिसमें उसके कब्जे से वायर के पांच बंडल तथा 157000 नकद बरामद किए गए।

कनाडा में जॉब दिलाने के नाम पर ठगी, गैंग की लीडर को पंजाब से किया गिरफ्तार

शोएब आलम,सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। कनाडा में नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक गिरोह का दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस के मुताबिक, इस गैंग की सरगना एक महिला है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। ये गिरोह 150 से ज्यादा लोगों के साथ ठगी कर चुका है। इस गैंग के लोगों ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश समेत नेपाल के लोगों के साथ भी ठगी की है। इसके लिए इन्होंने एक फर्जी वेबसाइट भी बनाई थी, जिसके जरिए ये लोगों को फंसाते थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह गिरोह कई लोगों से अब तक 5 करोड़ रुपये की ठगी कर चुका है। वहीं, आर्थिक अपराध शाखा में दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत पूरे देश से 23 पीड़ितों ने शिकायत दर्ज करवाई थी। साथ ही, नेपाल के भी 29 पीड़ित लोगों ने शिकायत दर्ज करवाई थी। पीड़ितों ने अपनी शिकायत में कहा है कि आरोपी महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कनाडा में नौकरी दिलाने के नाम पर कई लाखों की ठगी की है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मार्च महीने में मामले की जांच शुरू की थी। इस जांच में पुलिस को पता लगा कि गैंग लीडर आरोपी महिला दीपिका और उसके साथियों ने जगह-जगह पर ऑफिस खोला हुआ था। यह आरोपी पहले लोगों से छह हजार रुपये लेते थे। इसके बाद उनका विश्वास पक्का करने के बाद वे उन्हें कनाडा में नौकरियां दिलाने का सपना दिखाकर पांच लाख रुपये ठग लेते थे। पैसे लेने के बाद आरोपी ऑफिस बंद कर वहां से भाग जाते थे। इसके लिए उन्होंने फर्जी वेबसाइट भी बनाई थी। साथ ही, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप पर भी प्रचार करते थे। ईओडब्ल्यू के अधिकारी ने बताया कि आरोपी महिला ने कई कंपनियों में बतौर टेली-कॉलर का काम किया हुआ है। इसके बाद महिला ने अपना गिरोह बनाकर साथियों के जॉब का झांसा देकर फर्जीवाड़ा करना शुरू कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी महिला को उसके पंजाब के घर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी महिला के पास से दस मोबाइल फोन, दो लैपटॉप और तीन पासपोर्ट समेत कई दस्तावेज बरामद किए। पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर अन्य साथियों की तलाश में जुटी हुई है।

बूथ और पन्ना प्रमुख है भाजपा की ताकतः अजय गौड़

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

फरीदाबाद। भाजपा जिला फरीदाबाद की रविवार को संगठनात्मक बैठक में लोकसभा संयोजक अजय गौड़ ने कहा कि जनता के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं के दम पर फरीदाबाद लोकसभा से कृष्णपाल गुर्जर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर इतिहास रचेंगे । बूथ और पन्ना प्रमुख भाजपा की ताकत है व बूथ एवं पन्ना प्रमुखों के माध्यम से फरीदाबाद की एक-एक वोट कमल पर डलवाकर मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनायेंगे। लोकसभा फरीदाबाद की चुनावों की तैयारियों के निमित फरीदाबाद जिला कार्यालय 'अटल कमल' पर जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा के नेतृत्व में फरीदाबाद जिला संगठन की महत्वपूर्ण बैठक में लोकसभा संयोजक अजय गौड़ ने भाजपा फरीदाबाद के जिला पदाधिकारियों, विधानसभा प्रभारियों, विधानसभा संयोजकों, बी.एल.ए-1 भाजपा मंडल प्रभारियों, भाजपा मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव प्रबंधन और बूथ प्रबंधन के कार्य की समीक्षा की और संगठनात्मक विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की।

बैठक में जिला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा एवं मनोज वशिष्ठ, वरिष्ठ भाजपा नेत्री नीरा तोमर, पूर्व जिला महामंत्री मूलचन्द मित्तल एवं आर एन सिंह, चेयरमैन हुकम सिंह भाटी, प्रदेश प्रवक्ता बिजेन्द्र नेहरा, वरिष्ठ भाजपा नेता टिपरचन्द शर्मा, किसान

मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बलदेव अलावलपुर आदि मुख्य तौर पर उपस्थित रहे । बैठक में फरीदाबाद लोकसभा संयोजक अजय गौड़ ने कार्यकर्ताओं को 'बूथ जीता, चुनाव जीता' का पाठ पढाया और बूथ समिति, पन्ना प्रमुख और त्रिदेव के माध्यम से बूथों को सशक्त करने, माइक्रो बूथ मैनेजमेंट, चुनाव मैनेजमेंट आदि महत्वपूर्ण संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। अजय गौड़ ने कहा कि बूथ व पन्ने तक के सभी कार्यकर्ताओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम घर नहीं बैठेंगे और 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में मत पेटी के अंदर एक-एक वोट कमल पर डलावायेंगे। जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बूथ की व्यूह रचना मजबूत करते हुए आगामी 25 मई को एक एक वोट कमल पर पड़े, यह सुनिश्चित करें । बैठक में जिला उपाध्यक्ष अनिल नागर, पंकज रामपाल, पंकज सिंगला, सुखबीर मलेरना, लक्ष्मण तंवर, जिला सचिव पंकज सिवाल, गोल्डी अरोड़ा, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, योगेश तेवतिया, हरेन्द्र भड़ाना, मंडल अध्यक्ष अनुराग गर्ग, पवन चौधरी, वीरेन्द्र यादव, कुलदीप साहनी, लक्ष्यवर्धन सिंह, नीरज मित्तल, सतेन्द्र पाण्डेय, अमित आहूजा, कमल शर्मा, कैलाश वशिष्ठ, गजेन्द्र वैष्णव, संदीप भड़ाना, संजय अरोड़ा, सह कार्यालय सचिव सचिन गुप्ता, शिवम रतन आदि उपस्थित रहे ।

धौला कुआं के पास तेज रफ्तार जगुआर कार ने कैब को मारी टक्कर, छह घायल, तीन की हालत गंभीर

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में आज यानी रविवार सुबह बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। धौला कुआं के पास एक तेज रफ्तार जगुआर कार ने कैब में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में छह लोग घायल हो गए हैं। वहीं, तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई।

आसपास के लोगों ने घायलों की मदद की, वहीं पुलिस को भी हादसे की सूचना दे दी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में पहुंचाया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि कार को लड़की चला रही थी, उसके साथ एक लड़का भी मौजूद था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि कार की रफ्तार बेहद तेज थी। धौला कुआं के पास अचानक से कार चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कैब में सीधे टक्कर मार दी। इस घटना में छह लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि हादसे में घायल तीन लोगों की हालत गंभीर बनी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस

घटनास्थल के आसपास के इलाकों के सीसीटीवी खंगालेगी ताकि हादसे की वजह पता चल सके। बहरहाल, मामले की जांच जारी है। इसके अलावा द्वारका में भी हादसे की खबर सामने आ रही है। यहां एक ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो चालक समेत दो लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार होने में कामयाब हो गया है। पुलिस ने घायलों को पास के वैंकटेश्वर हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। घायलों की पहचान ककरोला निवासी सचिन और मंजूर आलम के रूप में हुई है। द्वारका नार्थ थाना पुलिस का कहना है कि यह हादसा सेक्टर 17 के अतुल्य चौक पर हुआ है। संबंधित जांच अधिकारी ने बताया कि ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हुआ है। ट्रक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज हवाओं के साथ चलेगी आंधी,मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

गुरुग्राम। पश्चिम विभोष के सक्रिय होने से दिल्ली-एनसीआर में मौसम लगातार बदल रहा हैं।तेज हवाओं के चलने के साथ-साथ हल्की बूंदाबांदी भी हो रही है। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार को तेज हवाओं के चलने के साथ आंधी-तूफान आएग और बिजली का गर्जन भी होगा।मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सावधानी बरतने के साथ-साथ पेड़ो के नीचे नहीं खड़े होने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार और सोमवार को दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और चंडीगढ़ में 45 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाएं चलेगी। इस दौरान काफी तेज आंधी और तूफान आने की संभावना है।वहीं हल्की बंदू-बांदी होने से भीषण गर्मी से भी राहत मिलेगी। रविवार को गुरुग्राम का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।न यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा।सुबह हवा नहीं चलने के कारण धूप की चुभन ने लोगों को ज्यादा परेशान किया।

महिला पुलिस ने इफको चौक से तीन मनचलों को पकड़ा

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए गुरुग्राम पुलिस की लगातार निगरानी और सख्ती जारी है। पुलिस के द्वारा जिले में निर्धारित किए गए हॉट-स्पॉट पर पुलिस तैनात रहती हैं,महिलाओं को परेशान करने वाले मनचलों को पकड़ने के साथ-साथ उनको सबक सिखाने का काम करती है।सेफ सिटी कैम्पेन शुक्रवार को महिला थाना पश्चिम की टीम ने तीन मनचलों को पकड़ा गया।मनचलों की पहचान दिनेश कुमार, संची कुमार व शैलेश धर दूबे के रूप में हुई।इफ्को चौक गुरुग्राम पर आरोपी गलत हरकते हुए पकड़ा गया।

पुलिस टीम द्वारा काबू किए गए मनचलों के परिजनों को बुलाया गया। मनचलों के परिजनों की उपस्थिति में उनसे लिखित में माफीनामा लिया गया व भविष्य में इस प्रकार की कोई गतिविधि ना करने की चेतवानी देकर परिजनों के हवाले किया गया। गुरुग्राम पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने व मनचलों को रंगेहाथ काबू करने के उद्देश्य से महिला पुलिकर्मियों को सादे कपड़ों (सिविल ड्रेस) में चिन्हित स्थानों पर तैनात किया जाता है।

सादे कपड़ों में तैनात महिला पुलिसकर्मी मनचलों की गलत गतिविधियों पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए उन्हें रंगेहाथ काबू करती है और सम्बन्धित पुलिस थाना में ले जाकर उनके परिजनों को थाना में बुलाया जाता है और उनके खिलाफ नियमानुसार निवारक कार्यवाही की जाती है। महिलाओं का सम्मान करने व महिला सुरक्षा बारे में बताते हुए महिला विरुद्ध अपराधों के लिए कानून में दिए गए प्रावधानों के अनुसार होने वाली कार्यवाही/सजा के बारे में जानकारी दी जाती है, ताकि वे भविष्य में महिलाओं का सम्मान करें और किसी गलत गतिविधि का हिस्सा ना बने। गुरुग्राम पुलिस महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। गुरुग्राम पुलिस द्वारा मनचलों को काबू करने की प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रहेगी, ताकि महिलाओं को एक भयमुक्त माहौल प्रदान किया जा सके।

विवाहिता ने की आत्महत्या, पति सहित पांच के खिलाफ़ मुकदमा दर्ज

पलवल। शादी के तीन वर्ष बाद ससुराल वालों से तंग होकर एक विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त करने का मामला रविवार को सामने आया है। पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत पर पति सहित पांच के खिलाफ दहेज व हत्या का मुकदमादर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी अनुसार फरुखनगर (गुरुग्राम) निवासी मोहित कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है उन्होंने अपनी बहन मोनिका की शादी 24 अप्रैल 2021 को अतरचट्टा गांव निवासी श्याम सुंदर के साथ की थी। शादी के छहमाह बाद ही ससुराल वाले उसकी बहन को दहेज के लिए परेशान करने लगे। शिकायत में कहा है कि उसकी बहन काफी दिनों तक मानसिक व शरीरिक यातनाएं सहती रही। लेकिन जब पानी सरसे ऊपर चला गया तो वह अपनी बहन को अपने साथ फरुखनगर ले गया। काफी दिनों तक उसकी बहन फरुखनगर ही रही। लेकिन सामाजिक दबाब व घर बसाने के लिए मोनिका को श्याम सुंदर के साथ भेज दिया। जिसके बाद फिर आरोपी उसकी बहन को परेशान करने लगे और नौकरानियों की तरह बदसलूकी करने लगे। सुबह करीब चार बजे उसके चाचा बिजेंद्र के पास मोनिका की ससुराल से फोन आया कि आपकी भतीजी ने आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते उनके परिवार के लोग अतरचट्टा गांव पहुंचे तो उसकी बहन को फर्श पर लिटा रखा था। उसकी मौत हो चुकी थी। उन्हें मोनिका के जेठ रामचंद्र ने बताया कि चौखड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली, उसने स्वंय चौखट से उतारकर फर्श पर लिटा दिया है। शिकायत में मृतका का भाई ने संदेह जाहिर किया है कि उसकी बहन को ससुराल वालों ने मार दिया है। गदपुरी थाना प्रभारी राजबीर ने रविवार को जानकारी देते वक्त बताया कि अमेरिका के भाई के अनुसार दी गई शिकायत के आधार पर पति सहित पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। खबर लेकर जाने तक अभी किसी तक की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

गौ तस्करों से छुड़वाए 19 गौवंश, दो लोग मौके से गिरफ्तार

पलवल। नारायणी सेना गौरक्षा दल के सदस्यों ने राष्ट्रीयराजमार्ग-19 पर होडल के हसनपुर चौक पर एक 10 टायर कंटेनर में गौ तस्करों के चुंगल से 19 गौवंश को मुक्त कराने का मामला रविवार को सामने आया है। यहां दो पशु तस्करों को भी काबू किया गया। सूचना मिलने ही सैकड़ों की संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू करदी है। मिली जानकारी अनुसार नारायणी सेना गौरक्षा दल के सदस्य प्रदीप ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उनकी टीम के सदस्यों सूचना मिली कि आगरा की ओर से एक दस टायर कंटेनर में गौ वंश को भरकर वध के लिए मेवात की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही दल के सदस्य सोनू हिंद, योगेश जांगिड, पुनीत, प्रवीन, शिवादहिया, अनिल, भरत, गोविंद, रवि, राहल, नवनीत, भारत, नवल व ओम ने करमन बॉर्डर पर वाहन की इंतजार में बैठ गए।

जैसे ही गौवंश से भरा हुआ कंटेनर बॉर्डर पर पहुंचा तो दल के सदस्यों ने कंटेनर को रोकने का प्रयास किया, लेकिन कंटेनर चालक ने वाहन की स्पीड और बढ़ा दी। दल के सदस्यों ने भी कंटेनर का पीछा करना शुरू कर दिया। दल केसदस्यों ने अपने वाहनों से कंटेनर की घेरा बंदी कर उसे हसनपुर

चौक के पास घेर लिया और सदस्यों ने कंटेनर में से कूदकर भाग रहे दो तस्करों को मौके पर ही काबू कर लिया। कंटेनर की तलाशी ली तो उसमें 19 गौंवश बंधक अवस्था में बरामद कर पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। दल के सदस्यों ने पकड़े गए दोनों गौतस्करों जिला नूंह के अलावलपुर गांव निवासी वकील खान व मोहरू का नंगला निवासी राहुल खान व उनसे कंटेनर को पुलिस के हवाले कर दिया, जब कंटेनर से बरामद गौवंश को गौशाला भिजवा दिया। होड़ल थाना प्रभारी मोहम्मद इलियास रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि गौ रक्षक टीम के अनुसार दी गई सूचना के आधार पर कंटेनर में देखा तो 19 गोवंश मिले जिनको गौशाला भिजवा दिया गया है। आगामी कार्यवाही अमल में लाईजा रही है।

शेषन ने बदली थी अराजक चुनावों की तस्वीर

योगेन्द्र योगी

देश की मौजूदा पीढ़ी को शायद इस बात का अंदाजा भी नहीं होगा कि भारत की आजादी के बाद की ऊबड-खाबड़ यात्रा में देश ने ऐसे-ऐसे हिचकोले खाए कि लगने लगा था कि लोकतंत्र पटरी से उतर कर अराजकता में बदल जाएगा। इसी यात्रा में सबसे बड़ी चुनौती थी, देश के निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराना। आज जिस तरह शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न कराए जा रहे हैं, करीब साढ़े तीन दशक पहले इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। उस दौर में ऐसा कोई भी चुनाव नहीं रहा जो खून-खराबे से भरा नहीं रहा हो। देश में बैलट पर बुलेट भारी था। बंदूक की नोक पर वोटों की पेटियों को लूटना आम बात थी। भारत की चुनावी प्रक्रिया में हर तरह की बुराई थी। ऐसे में देश को एक ऐसा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलता है, जो पूरी चुनाव व्यवस्था को बदलकर रख देता है। बड़े-बड़े दिग्गज नेताओं को नकेल कस देता है। उस मुख्य चुनाव आयुक्त का नाम है टीएन शेषन। आज अगर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र माहौल में चुनाव हो पाता है तो इसका श्रेय टीएन शेषन को जाता है। देश के दबंग चुनाव आयुक्त के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले शेषन नौकरशाही में भी सुधार के जनक थे।

ईमानदारी और कानून के प्रति अपनी निष्ठा की वजह से वह बहुतों को खटकते भी थे। इस वजह से उनके विरोधी उनको सनकी और तानाशाह तक भी कहते थे। लेकिन वह व्यवस्था में क्रांति लाने वाले इनसान, मेहनती, सक्षम प्रशासक, योग्य नौकरशाह, बुद्धीजीवियों और मध्य वर्ग के नायक थे। पलक्कड़ (केरल) के निवासी शेषन ने 1955 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में ट्रेनी के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की। शेषन ने अपनी पहली तैनाती में ही तीखे तेवर दिखाते हुए तमिलनाडु के मदुरई जिले के डिंडीगुल में सब कलेक्टर पद पर रहते हुए हरिजन समुदाय के एक व्यक्ति पर फंड के घपले का आरोप में गिरफ्तार करवा दिया। मंत्री के दवाब के बाद भी आरोपी को नहीं छोड़ा। चेन्नई में यातायात आयुक्त पद के दौरान एक बार एक ड्राइवर ने शेषन से पूछा कि अगर आप बस के इंजन को नहीं समझते और ये नहीं जानते कि बस को ड्राइव कैसे किया जाता है, तो आप ड्राइवरों की समस्याओं को कैसे समझ पाएंगे। शेषन ने इसको एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने न सिर्फ बस की ड्राइविंग सीखी बल्कि बस वर्कशॉप में भी काफी समय बिताया। एक बार उन्होंने बीच सडक़ पर ड्राइवर को रोक कर स्टेयरिंग संभाल लिया और यात्रियों से भरी बस को 80 किलोमीटर तक चलाया। शेषन का तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से काफी झगड़ा हो गया, जिसके बाद वे प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आ गए और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के एक सदस्य के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के आग्रह पर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सचिव बन गए। सचिव के तौर पर उन्होंने टिहरी बांध और सरदार सरोवर बांध जैसी परियोजनाओं का विरोध किया। भले ही सरकार ने उनके विरोध को दरकिनार कर दिया और परियोजना पर काम को आगे बढ़ाया, लेकिन बांध के पर्यावरण पर पडने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया गया। इसके साथ ही शेषन ने विभागों में नहीं कहने का रुझान शुरू किया। इस दौरान राजीव गांधी से उनकी नजदीकी बढ़ी। वहां से उनको आंतरिक सुरक्षा का सचिव बनाया गया। करीब 10 महीनों बाद उनको कैबिनेट सचिव बनाया गया। जब राजीव गांधी दिसंबर 1989 में चुनाव हार गए और प्रधानमंत्री नहीं रहे तो शेषन का ट्रांसफर योजना आयोग में कर दिया गया। शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की दास्तां भी कम दिलचस्प नहीं है। दिसंबर 1990 में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और शेषन के दोस्त सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के दूत के तौर शेषन पर मुख्य चुनाव आयुक्त के पद की पेशकश की। शेषन इस प्रस्ताव से बहुत अधिक उत्साहित नहीं हुए थे, क्योंकि पहले ही कैबिनेट सचिव विनोद पांडे ने भी उन्हें ये प्रस्ताव दिया था। शेषन इस प्रस्ताव पर राजीव गांधी से मिले। राजीव गांधी ने शेषन को मुख्य चुनाव आयुक्त का पद स्वीकार करने के लिए अपनी सहमति दे दी। लेकिन वो इससे बहुत खुश नहीं थे। उन्होंने उन्हें छेड़ते हुए कहा कि वो दाढ़ी वाला शख्स (चंद्रशेखर) उस दिन को कोसेगा, जिस दिन उसने तुम्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फैसला किया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने साठ के दशक में तमिलनाडु में शेख को नजरबंद करवा दिया था। शेषन उस समय मदुरै जिले के कलेक्टर थे। उनको जिम्मेदारी दी गई थी कि वो शेख द्वारा बाहर भेजे गए हर पत्र को पढ़ें। शेख ने डॉक्टर एस. राधाकृष्णन प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के नाम पत्र लिखा। शेषन ने बिना डरे पत्र पढ़ लिया। शेख ने घोषणा की कि वो उनके साथ किए जा रहे खराब व्यवहार के विरोध में आमरण अनशन पर जाएंगे। शेषन ने कहा कि सर ये मेरा कर्त्तव्य है कि मैं आपकी हर जरूरत का ख्याल रखूं, मैं ये सुनिश्चित करूंगा कि कोई आपके सामने पानी का एक गिलास भी लेकर न आए। शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव के धर्मराजन त्रिपुरा में हो रहे चुनावों का पर्यवेक्षक का कार्य छोड़ कर थाइलैंड चले गए। इस पर दंडित करते हुए शेषन ने उनकी गोपनीय रिपोर्ट में विपरीत प्रविष्टि करने का फैसला किया। शेषन ने वर्ष 1993 में 17 पेज का आदेश जारी किया कि जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नही देती, तब तक देश में कोई भी चुनाव नहीं कराया जाएगा।

आखिरकार सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। मौजूदा आदर्श आचार संहिता उसी आदेश का परिणाम है। शेषन के आने से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त एक आज्ञाकारी नौकरशाह होता था जो वही करता था जो उस समय की सरकार चाहती थी। ये शेषन का ही बूता था कि उन्होंने चुनाव में पहचान पत्र का इस्तेमाल आवश्यक कर दिया। शेषन ने साफ कह दिया कि अगर मतदाता पहचान पत्र नहीं बनाए गए तो एक जनवरी 1995 के बाद भारत में कोई चुनाव नहीं कराए जाएंगे। शेषन के दौर में ही हिमाचल प्रदेश में चुनाव के दिन पंजाब के मंत्रियों के 18 बंदूकधारियों को राज्य की सीमा पार करते हुए धर दबोचा गया। उत्तर प्रदेश और बिहार सीमा पर तैनात नागालैंड पुलिस ने बिहार के विधायक पप्पू यादव को सीमा नहीं पार करने दी। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल गुलशेर अहमद को चुनाव आयोग द्वारा सतना का चुनाव स्थगित करने के बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। गुलशेर अहमद पर आरोप था कि उन्होंने राज्यपाल पद पर रहते हुए अपने पुत्र के पक्ष में सतना चुनाव क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया था। उसी तरह राजस्थान के तत्कालीन राज्यपाल बलिराम भगत को भी शेषन का कोपभाजन बनना पड़ा था, जब उन्होंने एक बिहारी अफसर को पुलिस का महानिदेशक बनाने की कोशिश की। शेषन ने बिहार में पहली बार चार चरणों में चुनाव करवाया और चारों बार चुनाव की तारीखें बदली गईं। यह बिहार के इतिहास का सबसे लंबा चुनाव था। शेषन ने आचार संहिता के उल्लंघन पर पश्चिम बंगाल की राज्यसभा सीट पर चुनाव नहीं होने दिया, जिसकी वजह से केंद्रीय मंत्री प्रणब मुखर्जी को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ज्योति बसु इतने नाराज हुए कि उन्होंने उन्हें पागल कुत्ता कह डाला। साल 1992 के शुरू से ही शेषन ने सरकारी अफसरों को उनकी गलतियों के लिए लताडऩा शुरू कर दिया था। उसमें केंद्र के सचिव और राज्यों के मुख्य सचिव भी शामिल थे। बीते दशकों में टीएन शेषन से ज्यादा नाम शायद ही किसी नौकरशाह ने कमाया हो। वर्ष 1990 के दशक में तो भारत में एक मजाक प्रचलित था कि भारतीय राजनेता सिर्फ दो चीजों से डरते हैं, एक खुदा और दूसरे टीएन शेषन से।

वस्तु मंडियों का उद?भव, जहां पर लाए गए पशु, खेतों में उगी फसलें, लकड़ी और खनिज इत्यादि को, व्यापारियों द्वारा तय भावों पर, मुद्रा के लेन-देन से, खरीदा-बेचा जाता है, यह ढंग प्राकृतिक पूंजी को वित्तीय पूंजी में तब्दील करता है। वित्तीय बाजारों ने पूंजीपतियों का नया वर्ग तैयार कर दिया, जिन्हें जमीनी हकीकतों की जानकारी देहात में न बसने वाले जमींदारों से भी कम होती है। वे दुनिया की स्थिति का आकलन तालिकाओं (चार्ट) या डाटा से करते हैं कि किस वस्तु या शेयर का भाव मंडियों और स्टॉक बाजारों में ऊपर चढ़ा या गिरा। जब देहात से निकलकर कोई बंदा कारखानों में बतौर मजदूर काम करने लगता है तो वहां उसका मेहनताना काम के घंटों और इस दौरान दिखाई कारगुजारी के मुताबिक मिलता है। कारखाने के मालिक के लिए उसका कौशल और श्रम भी एक खरीदने लायक वस्तु भर है। अर्थ-व्यवस्था और न्याय-शास्त्र में जायदाद पर हक आदिकाल से एक अधिकार है। मानवाधिकार को मान्यता तो कहीं बहुत बाद में जाकर मिली, जिसकी प्राप्ति राजनीतिक आंदोलन-अधिकांशतः हिंसा के बाद हुई। उद्देश्य था दासता खत्म करना, उचित मजदूरी पाना और काम करने के लिए सुरक्षित माहौल बनवाना। 'गिग वर्क' व्यवस्था श्रम को वस्तु में बदलने का 21वीं सदी का एक तरीका है, जिसमें केवल जरूरत पड़ने पर कामगार की सेवाएं लेना, जो काम हुआ उसी का मेहताना देना और अन्य किसी किस्म की कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं होती, यह व्यवस्था मालिकान को तो खूब रास आती है लेकिन आम लोगों के लिए खराब है।

वैश्विक साझेदारी से पर्यावरण संकट का समाधान

अरुण मायरा

'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' (तिलोर) नामक पक्षी का वजूद बचाए रखने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से मुक्त रहने को मानव के मूलभूत अधिकार जितना दर्जा दिया गया है। इस निर्णय ने नीति-निर्माताओं एवं अक्षय ऊर्जा तंत्र विकसित करने वाले निर्माताओं को विस्मित किया है। उनका कहना है कि न्यायाधीश वैज्ञानिक विशेषज्ञों की सलाह को दरकिनार कर रहे हैं और इससे जलवायु परिवर्तन को दुरुस्त करने हेतु बनाए जाने वाले तंत्र की स्थापना में देरी होगी। अदालत ने माना है कि जलवायु परिवर्तन अनचाहे क्षेत्रों में भी न्यायशास्त्र की दखल करवा रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से वजूद पर बने संकट को पूंजीवादी अर्थव्यवस्था और बेढंगे विज्ञान के मौजूदा आदर्शों द्वारा समझा और सुलझाया नहीं जा सकता। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में, प्राकृतिक संपदा इसके मालिक की पूंजी है। राजा और जमींदार भूमि मालिक होते हैं और उनके इलाके की तमाम जलीय, वनीय और मत्स्य संपदा, पशु-पक्षी तक उनकी संपत्ति हैं। उनकी भूमि पर रह रहे और काम करने वाले नौकर या दासों द्वारा हुई उत्पादकता या पैदावार के मालिक भी वही हैं। जो मालिक अपनी मालिकाना भूमि पर घर बनाकर रहते हैं और लोगों से मेल-जोल रखते हैं, जहां उनके नौकर-चाकर पसीना बहाते हैं, वे अपनी निगरानी में वनों और फसलों को फलते-फूलते स्वयं देख सकते हैं। परंतु जो जमींदार अन्यत्र रहते हैं उन्हें कोई परवाह नहीं होती। उन्हें तो केवल मुनाफे से मतलब है फिर चाहे भूमि सूखाग्रस्त हो या बाढ़ग्रस्त, न ही नौकरों की मुश्किलों से कोई सरोकार होता है।

वस्तु मंडियों का उद?भव, जहां पर लाए गए पशु, खेतों में उगी फसलें, लकड़ी और खनिज इत्यादि को, व्यापारियों द्वारा तय भावों पर, मुद्रा के लेन-देन से, खरीदा-बेचा जाता है, यह ढंग प्राकृतिक पूंजी को वित्तीय पूंजी में तब्दील करता है। वित्तीय बाजारों ने पूंजीपतियों का नया वर्ग तैयार कर दिया, जिन्हें जमीनी हकीकतों की जानकारी देहात में न बसने वाले जमींदारों से भी कम होती है। वे दुनिया की स्थिति का आकलन तालिकाओं (चार्ट) या डाटा से करते हैं कि किस वस्तु या शेयर का भाव मंडियों और स्टॉक बाजारों में ऊपर चढ़ा या गिरा। जब देहात से निकलकर कोई बंदा कारखानों में बतौर मजदूर काम करने लगता है तो वहां उसका मेहनताना काम के घंटों और इस दौरान दिखाई कारगुजारी के मुताबिक मिलता है। कारखाने के मालिक के लिए उसका कौशल और श्रम भी एक खरीदने लायक वस्तु भर है। अर्थ-व्यवस्था और न्याय-शास्त्र में जायदाद पर हक आदिकाल से एक अधिकार है। मानवाधिकार को मान्यता तो कहीं बहुत बाद में जाकर मिली, जिसकी प्राप्ति राजनीतिक आंदोलन-अधिकांशत: हिंसा के बाद हुई। उद्देश्य था दासता खत्म करना, उचित मजदूरी पाना और काम करने के लिए सुरक्षित माहौल बनवाना। 'गिग वर्क' व्यवस्था श्रम को वस्तु में बदलने का 21वीं सदी का एक तरीका है, जिसमें केवल जरूरत पड़ने पर कामगार की सेवाएं लेना, जो काम हुआ उसी का मेहताना देना और अन्य किसी किस्म की कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं होती, यह व्यवस्था मालिकान को तो खूब रास आती है लेकिन आम लोगों के लिए खराब है। गारेट हार्डिन की 'ट्रेजेडी ऑफ द कॉमन्स' नामक थ्योरी निजीकरण की विचारधारा को रेखांकित करती है। इस विचार या वाद में, जो सार्वजनिक संपत्ति साझी होती है उसकी देखभाल की जिम्मेवारी कोई नहीं उठाता। अतएव, सार्वजनिक और साझी संपत्ति को निजी हाथों को सौंप दिया जाए क्योंकि वे अधिक मुनाफा बनाने की चाहना से प्रेरित होकर अपने-अपने हिस्से का प्रबंधन अच्छी तरह करेंगे। वैश्विक पर्यावरण, जो कि सबका साझा है, उसको पहुंचा नुकसान विश्व-स्तरीय उभयनिष्ठ संकट बन गया है। इसका हल संपत्ति का आगे निजीकरण करके नहीं निकल सकता। 'वैश्विक साझेदारी का वायदा' ध्येय की प्राप्ति को प्रबंधन के नए सिद्धांतों की जरूरत है। फ्रांसिस बैकॉन ने 17वीं सदी में यूरोपियन ज्ञानोदय के जन्म पर गर्व करते हुए कहा था कि अब विज्ञान मनुष्य को बेलगाम प्रकृति पर नियंत्रण पाने की ताकत प्रदान करेगा। भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव-विज्ञान में हुई नवीनतम खोजों ने मानव के पदार्थवादी फायदे हेतु पृथ्वी की संपदा का दोहन करने के ताकतवर औजार प्रदान किए जिसके चलते तकनीकी रूप से विकसित राष्ट्रों के नागरिकों का उच्च जीवन स्तर बाकियों के लिए ईर्ष्या बना। लेकिन अतिशयी दोहन ने पृथ्वी की सेहत को नुकसान पहुंचाया है। तकनीकी श्रेष्ठता के दर्प से चूर मानव ने हमारे ग्रह के पर्यावरण संतुलन और लोगों के आपसी सौहार्द्र की सततता को नष्ट कर डाला। आधुनिक विज्ञान ने जटिल प्राकृतिक तंत्र को छोटी-छोटी श्रेणियों में बांटकर, हरेक के लिए विशेषज्ञता आधारित विज्ञान का विकास करना शुरू किया ताकि छोटी से छोटी बारीकी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हो। किंतु यह तरीका अंधों द्वारा हाथी की व्याख्या करने वाली कहानी जैसा है। समग्रता के परिपेक्ष में कोई नहीं देख रहा। आधुनिक दवा खोजकर्ताओं ने दवाएं और शरीर के विभिन्न अंगों को दुरुस्त करने के लिए सर्जरी के बकमाल तरीके खोजे हैं। किंतु उपचार विधि में अंतर्निहित दुष्परिणामों से प्रभावित हुए अन्य अंगों से रोगी की हालत और बिगड़ भी जाती है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए, पूरे शारीरिक तंत्र और मानसिकता की समझ रखने वाले चिकित्सक होना लाजिमी है। पिछली सदी में अर्थतंत्र का सरोकार बाकी सामाजिक विज्ञान से टूट गया, हर कोई अपनी-अपनी विशेषज्ञता वाले कूपों में समा गया। सकल घरेलू उत्पादक बढ़ाने के वास्ते अर्थशास्त्री प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करने लगे। अर्थशास्त्रियों को यह तो पता है कि आर्थिकी का आकार कैसे बढ़े किंतु वृद्धि युक्त अर्थव्यवस्था में सबका हिस्सा कैसे सुधरे और प्राकृतिक स्रोतों की सततता बरकरार रहे, यह इल्म नहीं है। आधुनिक वैज्ञानिक रुख को उन शक्तियों को समझ नहीं है जो परस्पर रूप से पैदा होती हैं और जिनके बीच कारकों और प्रभावों को लेकर चक्रीय नाता है। वे अर्थशास्त्री जो मानव विकास सूचकांक में सुधार लाने के हेतु स्रोतों की वृद्धि करने से पहले उच्च सकल घरेलू उत्पाद बनाने की वकालत करते हैं और जिनके लिए प्राकृतिक स्रोतों की सततता कायम रखना बाद की बात है, वे यह देखने में असफल हैं कि आर्थिक वृद्धि के लिए मानव विकास एवं प्राकृतिक स्रोत की सततता सदा से पूर्व-शर्त और नींव रही है। मिट्टी, जल तंत्र और वनस्पति, पशु, पक्षियों एवं कीटों की विभिन्न प्रजातियों सहित मनुष्य भी प्रकृति के जटिल ढांचे का एक हिस्सा मात्र है। सततातापूर्ण विकास के लिए सबकी भलाई संरक्षित होना जरूरी है। संरक्षणवादी जो व्यवस्था के केवल एक हिस्से पर ही ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, वे या तो अधिक हरियाली की वकालत करते हैं या फिर किसी एक प्रजाति को बचाने की जैसे कि बाघ। वे भी व्यवस्था को संपूर्ण समग्रता के साथ रखकर नहीं देखते। ऐसे लोग वनों और बाघों को बचाने के लिए स्थानीय वनवासियों को जंगलों से बाहर निकलवाना चाहते हैं, वे यह नहीं देखते कि वहां पर मनुष्य बतौर प्रजाति प्रकृति का एक अभिन्न अंग हैं। जटिल तंत्र को केवल विभिन्न नज़रियों का समावेश कर समझा जा सकता है। कानून का शासन और त्वरित न्याय वाले मुल्क वित्तीय निवेशकों और नागरिकों को आकर्षित करते हैं। सुशासन और सबके लिए न्याय के लिए जरूरत है उन शासकों की जो निरंतर लोगों की सुनें। अपनी विधा में महारत किंतु संकुचित दायरा रखने वाले विशेषज्ञ और अदालतें नागरिकों में सर्वसम्मति नहीं बना सकते। समाज को भी चाहिए कि जिस किस्म का तंत्र वह अपने लिए चाहता है, उसकी प्राप्ति के लिए सहयोग से सर्वसम्मति बनाये।

विचार

जनसहयोग से ही हो काबू पाने के प्रयास

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष गर्मी की शुरुआत होते ही विभिन्न राज्यों में जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ने लगती हैं। शुष्क मौसम के कारण उत्तराखंड के पहाड़ी अंचलों में भी जंगलों के धधकने का सिलसिला तेज है। जंगल में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के साथ ही इन पर नियंत्रण पाना भी मुश्किल होता जा रहा है। वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक, उत्तराखंड में इस फायर सीजन में जंगलों में आग की करीब सौ घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 100 हेक्टेयर से भी ज्यादा वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। तापमान में बढ़ोतरी के चलते उत्तराखंड में गढ़वाल, कुमाऊं, अल्मोड़ा, कर्णप्रयाग, चमोली, चंपावत, नैनीताल, पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग सहित कई जनपदों के जंगल धधक रहे हैं। कई जगहों पर जंगलों में दावानल भड़कने के दो-तीन दिन बाद तक भी वन विभाग मौके पर पहुंचने में नाकाम रहा और जंगलों से उठती आग की लपटें सब कुछ राख करती चली गईं। विशेषज्ञों के मुताबिक जंगलों में दावानल से बड़े पैमाने पर वन संपदा तो नष्ट होती ही है, पर्यावरणीय क्षति के साथ-साथ लोगों को जलवायु परिवर्तन का खमियाजा भी भुगतना पड़ता है। गर्मियों में जंगलों में आग तेजी से फैलती है। जंगलों का पूरी तरह सूखा होना आग लगने के खतरे को बढ़ा देता है। कई बार जंगलों की आग जब आसपास के गांवों तक पहुंच जाती है तो स्थिति काफी भयावह हो जाती है। दो साल पहले उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग में अल्मोड़ा में छह गौशालाएं, लकड़ियों के टाल सहित कई घर जलकर राख हो गए थे और वहां हेलीकॉप्टरों की मदद से बड़ी मुश्किल से आग बुझाई जा सकी थी। जंगलों में आग के कारण वनों के पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता को भारी नुकसान होता है। प्राणी सर्वेक्षण विभाग का मानना है कि उत्तराखंड के जंगलों में आग के कारण जीव-जंतुओं की साढ़े चार हजार से ज्यादा प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। वनों में आग से पर्यावरण के साथ-साथ वन सम्पदा का जो नुकसान होता है, उसका खमियाजा लंबे समय तक भुगतना पड़ता है और ऐसा नुकसान साल-दर-साल बढ़ता जाता है। पिछले चार दशकों में भारत में पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के खत्म हो जाने के अलावा पशु-पक्षियों की संख्या भी घटकर एक तिहाई रह गई है और इसके विभिन्न कारणों में से एक कारण जंगलों की आग रही है। जंगलों में आग के कारण वातावरण में जितनी भारी मात्रा में कार्बन पहुंचता है, वह कहीं ज्यादा गंभीर खतरा है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2017 से 2019 के बीच जंगलों में आग लगने की घटनाएं तीन गुना तक बढ़ गईं। साल 2016 में देशभर के जंगलों में आग लगने की 37 हजार से ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई थी, जो 2018 में बढ़कर एक लाख से ऊपर निकल गईं। भारतीय वन सर्वेक्षण ने वर्ष 2004 में नासा के उपग्रह की मदद से राज्य सरकारों को जंगल में आग की घटनाओं की चेतावनी देना शुरू किया गया था। वर्ष 2017 में सेंसर तकनीक की मदद से रात में भी ऐसी घटनाओं की निगरानी शुरू की गई लेकिन तमाम तकनीकी मदद के बावजूद जंगलों में हर साल बड़े स्तर पर लगती भयानक आग जब सब कुछ निगलने पर आमादा दिखाई पड़ती है और वन विभाग बेबस नजर आता है, तो चिंता बढ़नी स्वाभाविक है। चिंता का विषय है कि जंगलों में आग की घटनाओं को लेकर सरकारों और प्रशासन के भीतर संजीदगी का अभाव दिखता है। एक दशक में हम वनों की आग से 22 हजार हेक्टेयर से भी ज्यादा जंगल खो चुके हैं। वन सर्वेक्षण संस्था की रिपोर्ट के अनुसार देशभर में 2004 से 2017 के बीच वनों में आग की 3.4 लाख घटनाएं हुई थी। जंगलों में आग कई बार प्राकृतिक तरीके से नहीं लगती बल्कि पशु तस्कर भी लगा देते हैं। मध्य प्रदेश के जंगलों में लोग महुआ निकालने के लिए झाड़ियों में आग लगाते हैं। वहीं वनों में प्राकृतिक तरीके से आग लगने के प्रमुख कारण मौसम में बदलाव, सूखा व भूमि कटाव हैं। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में चीड़ के वृक्ष बहुतायत में होते हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ इसे वनों का कुप्रबंधन ही मानते हैं कि देश का करीब 17 फीसदी वन क्षेत्र चीड़ से ही भरा पड़ा है। चीड़ के वृक्षों का बड़ा नुकसान है कि एक तो ये बहुत जल्दी आग पकड़ लेते हैं, साथ ही ये अपने क्षेत्र में चौड़ी पत्तियों वाले अन्य वृक्षों को पनपने नहीं देते। चूंकि चीड़ के वनों में नमी नहीं होती, इसलिए जरा-सी चिंगारी भी ऐसे वनों को राख कर देती है। कभी चीड़ के सूखे पत्तों को पर्वतीय क्षेत्रों के लोग पशुओं के बिछौने के रूप में इस्तेमाल किया करते थे किन्तु रोजगार की तलाश में पहाड़ों से पलायन के चलते लोगों को अब इन पत्तियों की जरूरत ही नहीं पड़ती और जंगलों में इन सूखी पत्तियों का ढेर इकट्ठा होता रहता है, जो थोड़ी गर्मी बढ़ते ही मामूली चिंगारी से ही सुलग उठते हैं व देखते ही देखते पूरा जंगल आग के हवाले हो जाता है। जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं पर काबू पाने में विफलता का बड़ा कारण यह भी कि वन क्षेत्रों में वनवासी अब वन संरक्षण के प्रति उदासीन हो चले हैं। वजह काफी हद तक नई वन नीतियां भी हैं।

एक नजर

दो दिवसीय महाकाल नामधुन अष्ट जाम का हुआ समापन

किशनगंज। नगर क्षेत्र के रूईधाशा स्थित महाकाल मंदिर में आयोजित दो दिवसीय जय महाकाल नाम धुन कार्यक्रम का समापन रविवार को हो गया। पिछले दो दिनों से जय महाकाल नाम धुन से पूरा मंदिर परिसर व आसपास का क्षेत्र गुंजायमान हो उठा था। मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दो दिवसीय जय महाकाल नाम धुन कार्यक्रम रविवार को हवन के साथ संपन्न हो गया। जिसमें शनिवार सुबह से महाकाल नामधुन की शुरुआत की गई थी जो लगातार दो दिनों तक चलता रहा। वही मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। भक्त सुबह से ही महाकाल मंदिर पहुंच कर कार्यक्रम में शामिल होने लगे थे। महाकाल नामधुन की शुरुआत शनिवार की सुबह 12 बजकर 28 मिनट से शुरू की गई थी।जो दूसरे दिन इसी समय में सम्पन्न हुआ। दूसरे दिन रविवार को खिचड़ी महा प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया। आयोजन को लेकर महाकाल भक्त उत्साहित थें। कार्यक्रम को सफल बनाने में सत्यम चारुस्त, धर्मेंद्र सिंह, सत्यम चारुस्त, शुभ कुमार, श्रेय कुमार, आदित्य कुमार, चंचल सिंह, रूपा शर्मा, मीरा सिन्हा, रोहित झा, राजीव बसाक, आदि जुटे हुए थे।

भाजपा किसान मोर्चा की बैठक में मतदाता जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय

सहरसा,एजेंसी। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में महिषी गांव में किसान मोर्चा के जिला महामंत्री लक्ष्मीकांत झा के आवास पर बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक में गर्मी एवं लू की स्थिति को देखते हुए सभी क्षेत्रों में कम मतदान होने पर चिंता व्यक्त करते हुए मोर्चा के सदस्यों को अपने-अपने मंडल में सक्रिय रहकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाए जाने का निर्णय किया गया। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव को लेकर सभी आवश्यक पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि खगड़िया एवं मधेपुरा लोकसभा उम्मीदवार को भारी मतों से विजय दिलाना है। इसके लिए किसान मोर्चा के सभी मंडल अध्यक्षों को सूचित किया गया कि अपने-अपने मंडल में सक्रिय होकर अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना है। इसके लिए किसान मोर्चा की सदस्य मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद मोदी सरकार ने जो किसान सम्मान निधि,क्रेडिट कार्ड, फसल क्षति पूर्ति तथा फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढाकर सम्मानित किया है।इसके लिए किसान मोर्चा के सदस्य घर-घर जाकर मतदाताओं को अवश्य प्रेरित करे। इस अवसर पर खगड़िया लोकसभा प्रभारी सुरजीत कुमार झा, जिला उपाध्यक्ष बलराम पासवान, जिला मंत्री अभिषेक कुमार, भीम पंडित हरे राम भगत एवं मंडल प्रभारी लक्ष्मी कांत झा सहित अन्य उपस्थित रहे।

सामाजिक बदलाव मुद्दे और चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी आयोजित

भागलपुर। सामाजिक संस्था जनप्रिय भागलपुर द्वारा परबत्ती में सामाजिक बदलाव मुद्दे और चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी आयोजित रविवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एनुल होदा और अध्यक्षता उज्ज्वल घोष एवं संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. योगेंद्र थे। संस्था के निदेशक गौतम कुमार ने संचालन और धन्यवाद ज्ञापन जनप्रिय महिला स्वालंबन समिति के संयोजक पिंकी देवी ने किया। दाऊद अली अजीज के सहयोग से संस्था द्वारा 50 बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। उसके बाद समाज मे महिलाओं, झुग्गी झोपड़ी और युवाओं में सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी निभाने और योगदान के लिए संस्था की ओर से सामाजिक कार्यकर्ता अनिरुद्ध, अनिता शर्मा और इकराम हुसैन शाद को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। जनप्रिय बा बाल शिक्षा केन्द्र के बच्चों ने कार्यक्रम में गीत और चिंगारी नाटक को प्रस्तुत किया। डॉ. योगेंद्र ने कहा समाज मे बदलाव में लोक या आदमी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब तक हमलोग जाति, धर्म, सम्प्रदाय नही उठेंगे टैब तक विकास की संभावना मुश्किल है। मुख्य अतिथि एनुल होदा ने कहा सामाज में बदलाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहना होगा, क्योंकि प्रयास से ही परिवर्तन होता है। प्रयास सामुहिक हो तो तेजी से बदलाव होता है। संस्था के अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा परिवर्तन स्वाभाविक प्रक्रिया है, इसको दिशा देने की आवश्यकता है। अर्जुन शर्मा ने कहा सद्भावपूर्ण सबको जोड़कर कारीबकरने से ही बड़े मुद्दे आसान हो जाता है।

झंझारपुर व मधुबनी दोनो संसदीय क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढाने को जिला प्रशासन कटिबद्ध- डीएम

मधुबनी,एजेंसी। मुख्यालय में संसदीय चुनाव में मतदान प्रतिशत बढाने को मैराथन दौर रविवार को आयोजित हुई। अवसर पर डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने कहा कि जिला के दोनो संसदीय क्षेत्र झंझारपुर व मधुबनी में सन्निकट चुनाव में वोट प्रतिशत बढ़ाने को जिला प्रशासन कटिबद्ध है। मतदान प्रतिशत बढाने व मिशन सत्तर को लेकर डीएम अरविन्द कुमार वर्मा के नेतृत्व में पांच किलोमीटर दूरी दौर रविवार के सुबह आयोजित हुई। मैराथन दौर में काफी संख्या में छात्र,युवा,महिला मतदाताओं सहित अधिकारियों ने मतदाता जागरूकता को भाग लिया। मैराथन में भाग लेकर लोकतंत्र की मजबूती में अपनी-अपनी भागीदारी निभाई। रांटी चौक से रामपट्टी हाई स्कूल तक लगभग पांच किलोमीटर की दौर में विशेषकर युवाओ एवं महिलाओं का जोश देखते बनी। नुक्कड़ नाटक की टीम अपने मतदाता जागरूकता गीत-संगीत के माध्यम से सभी प्रतिभागियों की हौसला अफजाई करती नजर आई। डीपीआरओ परिमल कुमार ने बताया कि चहुंओर एक ही स्लोगन मधुबनी ने ठाना ह।

मतदान प्रतिशत बढ़ाना है गुंजती रही।अवसर पर निर्वाचन कोषांग द्वारा मेरा वोट,मेरा अधिकार, मतदान को लेकर मधुबनी तैयार। मधुबनी से उठी पुकार,मत खोना अपना मताधिकार। इस प्रकार की नारा से पूरा वातावरण गूंज रहा था। सम्पूर्ण मैराथन के रास्ते में लोग अपने-अपने घरों की छतों से हाथ हिलाकर प्रतिभागियों का हौसला अफजाई करते नजर आए। डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने जिले वासियों से अपील करते हुए कहा कि सात मई को झंझारपुर एवं बीस मई को मधुबनी लोक सभा के लिए मतदान कर लोकतंत्र की मजबूती में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। कहा कि मधुबनी के लोग हर क्षेत्र में अव्वल है। मतदान में भी अव्वल होकर पूरे देश मे अपनी नजीर पेश करेंगे। मैराथन दौर में डीडीसी दीपेश कुमार,अपर समाहर्ता शैलेश कुमार,नगर आयुक्त अनिल चौधरी,एडीएम आपदा संतोष कुमार,डीपीआरओ परिमल कुमार,सदर एसडीओ सदर अश्वनी कुमार,एसडीसी सुजीत वर्णवाल,उत्पाद अधीक्षक,जिला कृषि पदाधिकारी सहित कई वरीय अधिकारी व काफी संख्या में छात्र,युवा,महिला मतदाता उपस्थित रहे।

एमएलसी कारे शोएब ने राजद प्रत्याशी के जीत का किया दावा,कहा मरहूम तस्लीमुद्दीन के नक्शे कदम पर हैं शाहनवाज आलम

अररिया,एजेंसी। राजद के एमएलसी कारे शोएब ने अररिया में राजद प्रत्याशी के जीत का दावा किया है।रविवार को जिला राजद कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में विधान पार्षद कारे शोएब ने कहा कि प्रत्याशी शाहनवाज आलम अपने पिता मरहूम जनाब तस्लीमुद्दीन के नक्शे कदम पर चल रहे हैं और उन्हें हरेक जाति धर्म के मानने वाले लोगों का समर्थन मिल रहा है। आईएनडीआई गठबंधन के प्रत्याशी शाहनवाज आलम के पक्ष में कई दिनों से लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे युवा राजद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विधान पार्षद कारे शोएब ने कहा कि देश के युवा परेशान हैं।रोजगार नहीं है। किसान परेशान है। सरकार के काले कानून के विरोध में किसान आंदोलन में साढ़े सात सौ से अधिक किसानों की शहादत हुई।मणिपुर जल रहा है। महिलाओं की नंगी परेड कराई जा रही है और प्रधानमंत्री नारी शक्ति वंदन की बात करते हैं।देश के प्रधानमंत्री की कथनी और करनी में बहुत अंतर है। उन्होंने पूछा कि आखिर प्रधानमंत्री किसी सभा में यह क्यों नहीं बता रहे कि उनके द्वारा जो 2014 में वादे किए गए थे दो करोड़ रोजगार देंगे, 15 लख रुपए खाते में आएंगे , 2022 तक किसानों की आय दोगुनी होगी, प्रधानमंत्री ने कहा था महंगाई पर नियंत्रण होगा, डॉलर के मुकाबले गिरते रुपए के स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में 17 साल तक सरकार में रहने के बाद भी भाजपा ने कुछ नहीं किया। जबकि हमारे 17 महीने के सरकार में साढ़े पांच लाख युवाओं को रोजगार मिला।सवा लाख कर्मचारियों की स्वास्थ्य विभाग में बहाली का काम अंतिम चरण में था, जब सरकार बदल गई। हमारी सरकार ने आंगनबाड़ी सेविका सहायिका तालिमी मरकज के साथी हों या टोला सेवक सबकी चिंता की। पत्रकारों द्वारा प्रधानमंत्री के बांग्लादेशी घुसपैठियों को भगाने वाले बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में विधान परिषद सदस्य ने कहा प्रधानमंत्री उल जलूल भाषण देते है। कोई बांग्लादेशी घुसपैठिया यहां नहीं हैं।सभी भारत के नागरिक हैं।अगर कोई घुसपैठिया है तो प्रधानमंत्री जी बताएं कि 10 साल से उसकी सरकार क्या कर रही थी।

अररिया में मेडिकल कॉलेज निर्माण का फाइल पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने किया दबाने का काम: मंगल पांडेय

अररिया। अररिया के मेडिकल कॉलेज निर्माण के काम का फाइल दबाने का काम पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने किया।बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने ये बातें बिना तेजस्वी प्रसाद का नाम लिए उन पर यह आरोप अररिया के महथावा बाजार में हाई स्कूल के मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए लगाया। मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि उनकी पिछली सरकार ने फणीश्वरनाथ रेणु के गांव रेणुगांव में इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने का काम किया। अररिया में मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए सांसद के पहल पर जमीन का आवंटन हो गया था। मंजूरी मिलने वाली ही थी कि सरकार से भाजपा बाहर हो गई।जिसके बाद बने स्वास्थ्य मंत्री ने मेडिकल कॉलेज के फाइल को भाजपा को श्रेय मिलने के भय से दबाकर रखने का काम किया। उन्होंने तेजस्वी यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने फाइल को आगे बढ़ने नहीं दिया लेकिन उन्होंने आमजनों को आश्वस्त किया कि अररिया मे मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्य को जल्द ही मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की ओर से मिली सौगात को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि अररिया में न केवल रेल लाइन का जाल बिछा,बल्कि सिलीगुड़ी, दानापुर, रक्सौल, दरभंगा, सहरसा के लिए ट्रेनों की सौगात भी मिली।उन्होंने जिले में चार सौ से अधिक पुल पुलिया के निर्माण के साथ ही अररिया जिला में सड़क मार्ग की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के माध्यम से जिले में सड़क का जाल बिछने की बात कही। उन्होंने दो चरणों में हुए चुनाव में एनडीए के सभी सीट पर जीत का दावा किया। मौके पर भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार सिंह,स्थानीय विधायक जयप्रकाश यादव, जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा,अजय झा,अशोक सिंह समेत बड़ी संख्या में भाजपा और जदयू के नेता मौजूद थे।

नृत्य एक सशक्त अभिव्यक्ति है जो पृथ्वी और आकाश से संवाद करती है: रोहित झा

सहरसा,एजेंसी। पंचवटी चौक सहरसा निवासी रोहित झा त्रेतायुग में देवताओं की विनती पर ब्रह्माजी ने नृत्य वेद तैयार किया था।तभी से नृत्य की उत्पत्ति संसार में मानी जाती है। इस नृत्य वेद में सामवेद, अथर्ववेद, यजुर्वेद व ऋग्वेद से कई चीजों को शामिल किया गया। नृत्य एक सशक्त अभिव्यक्ति है जो पृथ्वी और आकाश से संवाद करती है। रोहित झा ने कहा कि हमारी खुशी हमारे भय और हमारी आकांक्षाओं को व्यक्त करती है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार डांस चाहे किसी प्रकार का हो, लोगो में शारीरिक सक्रियता बढ़ाने के साथ उनके संबंधों को भी अच्छा बनाता है। यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स में हुआ ये अध्ययन बताता है कि नियमित डांस करना, डांस कक्षाओं में भाग लेना लोगो की संपूर्ण सेहत पर अच्छा असर डालता है। इससे शरीर का लचीलापन बढ़ता है, जो चोटिल होने की आशंका को कम कर देता है। शारीरिक सक्रियता की कमी लोगो में गैर संचारी रोगों व मृत्यु के खतरे को बढ़ाती हैं।

रोहित ने कहा कि डांस करने से बेचैनी और मूड स्विंग्स के लक्षणों में भी कमी आती है। नियमित डांस का अभ्यास हृदय के धमनियों को भी संकरा होने से रोकता है। मेरी गुरु जी कहती है नृत्य सुंदर होना चाहिए आंखों में सुकून देने वाला हो हमारी संस्कृति से जुड़ा हो शास्त्रीय नृत्य व लोक नृत्य ऐसे ही नृत्य है। जैसे हमारे मिथिला के लोकनृत्य झिझिया,सामा चकेवा,जट जटिन ये लेकिन ये अब धीरे धीरे लुप्त हो रहे हैं। पंचवटी चौक सहरसा निवासी रोहित झा, पूनम झा एवं संदीप झा के सुपुत्र हैं व बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय परड़ी चैनपुर में नवनियुक्त नृत्य विषय के अध्यापक हैं। इनके कथक नृत्य की प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय शशि सरोजनी रंगमंच सेवा संस्थान से आरंभ हुई। नृत्य प्रशिक्षण के प्रारंभिक काल में ही इनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर इन्हें आरटी राजन युवा पुरस्कार दिया गया था। सहरसा से बाहर गुरू नीलम चौधरी,सुब्रतो पंडित, ममता महाराज,दुर्गा आर्या,जैसे नामी गिरामी नृत्य गुरू ने भी इन्हें नृत्य की तालीम दी। पद्म विभूषण प. बिरजू महाराज जी के वर्कशॉफ में चयनित होकर इन्हें कथक नृत्य का विशेष गुर सीखने का भी सुअवसर प्राप्त हुआ है। गुरु शिष्य परंपरा के अंतर्गत राष्ट्रीय कथक केन्द्र नई दिल्ली की सुविख्यात कत्थक गुरू मालती श्याम जी के मार्गदर्शन में साधना रत हैं।वही शिक्षा विभाग सहरसा में अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं।

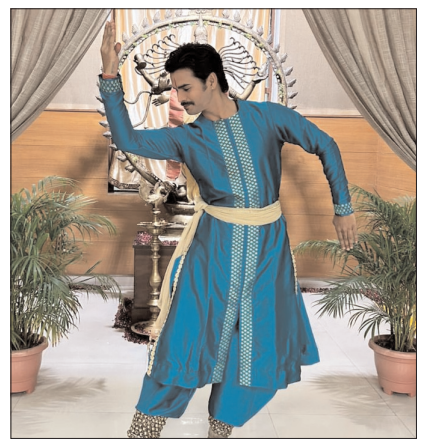

इलेक्शन ड्यूटी में जा रहे वाहन ने बाइक सवार को कुचला, एक की मौत

अररिया,एजेंसी। फारबिसगंज थाना क्षेत्र के रामपुर ओवरब्रिज से पहले आबिद बाबू पेट्रोल पंप के समीप रविवार को इलेक्शन ड्यूटी के लिए किशनगंज से मधुबनी जा रहे वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई।जबकि बाइक पर सवार दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए।जिन्हे इलाज के लिए फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए वहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर पूर्णिया रेफर कर दिया गया।

बाइक पर तीन लोग सवार थे जो नेपाल से कान का इलाज करवाकर वापस लौट रहे थे कि इसी क्रम में उल्टे दिशा से आ रहे वाहन की चपेट में आ गये। इसमें से मौके पर ही एक युवक की मौत हो गई।मृतक हरिपुर गांव के वार्ड संख्या 4 के रहने वाले जमील खान के 25 साल के पुत्र अजमेर खान है। जबकि घायलों में हरिपुर वार्ड संख्या 11 के तमन्ना पिता -कलाम और दूसरा नरववा टप्पू टोला के रहने वाले मो. मिकाइल पिता -मो. शमसुल है। घटना के बाद दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी से इलेक्शन ड्यूटी में लगे अधिकारियों को लेकर साथ में चल रही अन्य गाड़ियों से निकल भागे।जिसके बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दो घंटे से अधिक समय तक अक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। फलस्वरूप फोरलेन सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई।प्रदर्शन कर रहे लोगों ने गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ की। बाद में प्रशासनिक हस्ताक्षेप के बाद स्थिति को काबू किया गया।

अररिया के महथावा में जीतनराम मांझी और मंगल पांडेय ने एनडीए प्रत्याशी को वोट देने की अपील की

फारबिसगंज/अररिया,एजेंसी। अररिया के महथावा में पूर्व सीएम एवं हम प्रमुख जीतनराम मांझी और बिहार सरकार के मंत्री मंगल पांडेय ने रविवार को अररिया लोकसभा सीट से एनडीए प्रत्याशी प्रदीप कुमार के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। जीतनराम मांझी ने चुनावी सभा में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि घमंडिया गठबंधन का कोई अस्तित्व नहीं है और उन्होंने कहा कि दलित और महादलित के लोग चिराग पासवान के परिवार को गाली का बदला जरूर लेंगे। चिराग को जानबूझ कर गाली दिलवाई गई है और दूसरी बात यह कि ये विरोधी दल इतना बेचैन क्यों है? 2024 क्या 2030 तक देश में पीएम पद के लिए कोई वैकेंसी खाली नहीं है।

जीतनराम मांझी ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि अभी देश में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं और फ़िलहाल पीएम की कोई वैकेंसी नहीं है। उन्होंने कहा कि ये विरोधी इतना बेचैन क्यों है? सबसे बड़ी बात यह है कि 2024 क्या 2030 तक देश में पीएम पद के लिए कोई वैकेंसी खाली नहीं है। हम इसके लिए विशेष रूप में कार्य कर रहे हैं और पीएम मोदी के हाथ को और मजबूत करने में लगे हुए हैं। जीतन राम मांझी ने कहा कि हम लोग कमल में 6 दल वालो का एक मजबूत गठजोड़ है। यह इतना मजबूत है कि कोई इसको डिगा नहीं सकता है।नरेंद्र मोदी जी हमारे नेता है वे विश्वस्तरीय नेता है। प्रधानमंत्री एक बार फिर प्रदीप कुमार सिंह को भारी मतों से वोट देकर नरेंद्र मोदी जी के हाथ को मज़बूत कीजिए।

दुबई में सीए क्लास अपार्ट: मेकर्स ऑफ द वर्ल्ड इकोनॉमी पुस्तक का विमोचन

पुस्तक में वित्तीय संस्थानों के मालिकों, व्यवसायियों के संघर्ष से लेकर सफलता के किस्से हैं संग्रहित

दुबई,एजेंसी। स्थानीय अनंतरा होटल के बिजनेस सभागार में इथियोपिया के राजदूत और अन्य अतिथियों ने सीए क्लास अपार्ट: मेकर्स ऑफ द वर्ल्ड इकोनॉमी पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में वित्तीय संस्थानों के मालिकों, दूरदर्शी व्यवसायियों और अग्रणी लेखाकारों की सफलता और संघर्ष की कहानियों का संग्रह है। इस मौके पर इथियोपिया के राजदूत अकलिलू केबेडे ने कहा कि इस तरह की किताब अगली पीढ़ी के लिए बहुत अच्छी साबित होगी।

डीकॉम डिज़ाइन्स कंपनी की इस कॉफी टेबल पुस्तक के लेखक व डीकॉम डिजाइन्स कंपनी के सीईओ विकास भार्गव ने कहा कि इस पुस्तक में उन प्रसिद्ध वित्तीय संस्थानों के मालिकों, वित्त क्षेत्र में दूरदर्शी व्यवसायियों और अग्रणी लेखाकारों की उल्लेखनीय कहानियों पर प्रकाश डाला गया है, जिन्होंने वैश्विक अर्थशास्त्र के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है। भार्गव ने कहा कि इस पुस्तक में मानवीय सरलता और दृढ़ता का महत्व उल्लेखित किया गया है कि कैसे दृष्टि, दृढ़संकल्प और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की शक्ति से काम कर सफलता हासिल की जा सकती है। इस पुस्तक में साझा की गई सफल व्यवसायियों की कहानियों के माध्यम से पाठकों को पता चलेगा कि अपनी पृष्ठभूमि या परिस्थिति की

परवाह किए बिना शिखर पर भी पहुंचा जा सकता है। भार्गव इससे पहले भी कई पुस्तकें लिख चुके हैं। समारोह में अबूधाबी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के बिजनेस एक्जीक्यूटिव और बोर्ड सदस्य खालिद अल फहीम ने अर्थव्यवस्था के विकास के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रमुख अमीराती व्यवसायी याक़ूब अल अली ने कहा कि मैं इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। पूर्व भारतीय विदेश सेवा राजनयिक और निकाई समूह के अध्यक्ष पारस शेडादपुरी ने सीए के मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने बहुत पहले अपनी कंपनी शुरू की थी तब कैसे सीए ने उनकी मदद की थी। पुस्तक के विमोचन समारोह में सीए साहित्य चतुर्वेदी सहित कई गणमान्य और वीआईपी अतिथि मौजूद रहे।

राफा पर हमले से पहले इजरायल ने बंधक समझौते को आखिरी मौका दिया- रिपोर्ट

तेल अवीव,एजेंसी। इजरायल गाजा युद्ध में युद्धविराम और बंधक समझौते को हासिल करने के लेटेस्ट प्रयासों को राफा शहर पर योजनाबद्ध हमले से पहले आखिरी मौके के रूप में देखता है। एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार को तेल अवीव में मिस्र और इजरायली प्रतिनिधियों के बीच बातचीत %बहुत अच्छी% और केंद्रित थी। जाहिर तौर पर मिस्रवासी किसी समझौते पर पहुंचने के लिए फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास पर दबाव बनाने के लिए तैयार थे। टाइम्स ऑफ इजरायल ने शुक्रवार देर शाम रिपोर्टों के हवाले से कहा कि बातचीत के सभी क्षेत्रों में प्रगति हुई है।

इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा गया कि इजरायल, राफा में योजनाबद्ध सैन्य हमले को रोकने के लिए हमास को विशेष रूप से गाजा पट्टी में उसके नेता याह्या अल-सिनवार को बंधक समझौते में देरी करने की अनुमति नहीं देगा। याह्या अल-सिनवार को 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में हुए नरसंहार का मास्टरमाइंड माना जाता है, जिसमें लगभग 1,200 इजरायली सैनिक और नागरिक मारे गए थे। जबकि 200 से ज्यादा लोगों को गाजा में अपहरण कर लिया गया था। इजरायली सेना का मानना है कि अल-सिनवार राफा के नीचे सुरंगों में छिपा हुआ है। टाइम्स ऑफ इजरायल ने अज्ञात (अनाम) इजरायली सरकारी अधिकारी के

हवाले से कहा कि राफा जाने से पहले यह आखिरी मौका है। यह या तो भविष्य का समझौता है या राफा का। इजरायल मिस्र की सीमा से लगे दक्षिणी गाजा के शहर में बची हुई हमास बटालियनों को भी नष्ट करना चाहता है। इजरायली मीडिया के मुताबिक, मिस्र राफा पर हमले को रोकने के लिए एक समझौते पर पहुंचना चाहता है। मिस्र को चिंता है कि बड़ी संख्या में फ़िलिस्तीनी सीमा पार कर सकते हैं। गाजा पट्टी के बाकी हिस्सों में लड़ाई से दस लाख से अधिक नागरिक भाग गए हैं और उन्होंने राफा में शरण ली है।

एक नजर

हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाज को निशाना बनाकर दागीं मिसाइलें

यरुशलम,एजेंसी। एक बार फिर यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे जहाज पर शुक्रवार को मिसाइलें दागी, हालांकि यह उससे कुछ दूरी पर गिरीं। एक निजी सुरक्षा फर्म ने यह जानकारी दी। कुछ दिनों के विराम के बाद अब फिर से हूती विद्रोहियों ने हमले तेज कर दिए हैं। गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध के दौरान क्षेत्र में नौवहन मार्ग पर हूती विद्रोहियों ने हमलों की शुरुआत की थी। निजी सुरक्षा फर्म एंब्रे ने कहा कि हमले में तीन मिसाइलें दागी गईं, जो पनामा-का ध्वज लगे एक टैंकर के करीब गिरीं। यह टैंकर सेशेल्स में पंजीकृत है। एंब्रे ने कहा कि जहाज 'प्रिमोर्स्क' रूस से भारत में गुजरात के वाडिनार की ओर जा रहा था। जहाज-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार यह घटना उस वक्त की है जब 'एंड्रोमेडा स्टार' नामक एक टैंकर जहाज मोचा के पास जलमार्ग से गुजर रहा था। हूती ने मिसाइल दागने की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन पूर्व में इस तरह के हमलों में समूह की संलिप्तता रही है। ब्रिटिश सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' ने भी मोचा के पास हमले की सूचना दी। हाल के हफ्तों में हूती के हमलों में कमी आई थी क्योंकि यमन में अमेरिकी नेतृत्व वाले हवाई हमले में विद्रोहियों को निशाना बनाया गया। खतरे के कारण लाल सागर और अदन की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही पर भी असर पड़ा है। बुधवार से, हूती विद्रोहियों द्वारा कम से कम दो हमले हुए हैं। सबसे पहले अमेरिकी ध्वज वाले जहाज 'एमवी यॉर्कटाउन' को निशाना बनाया गया। दूसरी मिसाइल ने 'एमएससी डार्विन' को निशाना बनाया।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा, लड़कियों की उम्मीदों का कब्रगाह बना अफगानिस्तान

काबुल,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों की स्थितियों पर चिंता जाहिर करते हुए अमानवीय बताया है। वर्तमान हालात को देखते हुए संयुक्त राष्ट्री ने अफगानिस्तान को लड़कियों की उम्मीदों के लिए कब्रगाह बताया है। तालिबान ने 15 अगस्त, 2021 को अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से उसने लड़कियों की छठी कक्षा से आगे की पढ़ाई प्रतिबंधित कर दी और बाद में उनके लिए विश्वविद्यालयों के दरवाजे भी बंद कर दिए। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आलोचनाओं की परवाह नहीं करते हुए तालिबान अपना प्रतिबंध जारी रखे हुए है। प्रतिबंध के बावजूद शिक्षा के अधिकार के लिए लड़कियों के संघर्ष का समर्थन करते हुए संयुक्त राष्ट्र महिला संभाग ने गुरुवार को आईसीटी में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शैक्षणिक प्रतिबंधों के सामने अफगान लड़कियों के अधिकार पर प्रकाश डाला। हर वर्ष अप्रैल के चौथे गुरुवार को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ढ्ढष्टञ्ज) विभाग में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। ढाई वर्ष से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी तालिबान ने लड़कियों के लिए स्कूलों को फिर खोलने के बारे में कोई सार्थक वक्तव्य नहीं दिया है। यही स्थिति जारी रहने पर अफगानिस्तान में मानवीय संकट गहरा जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र ने सिर न ढकने वाली महिलाओं पर ईरान की कार्रवाई पर जताई चिंता

जिनेवा,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने सिर ढकने के नियमों का पालन न करने पर कई महिलाओं और लड़कियों को हिरासत में लेने पर ईरान की कार्रवाइ पर चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र अधिकार अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने ईरान के उस मसौदा कानून की आलोचना व्यक्त की, जिसके तहत सिर ढकने के नियमों का पालन न करने पर 10 साल की जेल की सजा के साथ कोड़े मारने की सजा दी जाएगी। तुर्क ने तेहरान से लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा को दूर करने की अपील की है। तुर्क ने रैपर तुमाज सालेही को मौत की सजा दिए जाने की भी आलोचना की जो 2022 के प्रदर्शनों के दौरान प्रमुख चेहरा थे। तुर्क के कार्यालय के अनुसार, कुर्द महिला महसा अमिनी की हिरासत में मौत के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों में भूमिका के लिए नौ लोगों को फांसी दी गई है। अमिनी को मोरेलिटी पुलिस ने अपना सिर ठीक से नहीं ढकने के कारण हिरासत में लिया था। इससे पहले हिजाब को लेकर ईरान में लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन का दौरा चला था और कई लोगों की मौत हो गई थी।

मिसाइल हमलों के बीच पूरे यूक्रेन में धमाकों की आवाज

कीव। रूसी मिसाइल हमलों के बीच कई यूक्रेनी क्षेत्रों में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। स्थानीय मीडिया आउटलेट्स ने यह जानकारी दी। सरकार द्वारा संचालित यूक्रेनफॉर्म समाचार एजेंसी ने कहा कि विस्फोटों ने

विशेष रूप से यूक्रेन के मध्य विन्नित्सिया क्षेत्र और पश्चिमी इवानो-फ्रैंकिव्स्क क्षेत्र को हिलाकर रख दिया है। मेयर इहोर तेरेखोव के अनुसार यूक्रेन के पूर्वी शहर खार्किव में भी कई विस्फोट हुए। यूक्रेनी वायु सेना ने टेलीग्राम पर कहा कि रूस ने हवाई हमले के दौरान यूक्रेन पर क्रूज मिसाइलें और एयरोबॉलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके अलावा यूक्रेनी टेलीग्राम चैनलों ने चेतावनी दी कि रूस संभवत: यूक्रेन पर एक नए मिसाइल हमले की तैयारी कर रहा है क्योंकि टीयू-95 रणनीतिक बमवर्षकों के एक समूह ने रूस के उत्तर-पश्चिमी मरमंस्क क्षेत्र में ओलेन्या हवाई क्षेत्र से उड़ान भरी थी।

भारत, ईरान ने घनिष्ठ रक्षा सहयोग की योजनाओं पर की चर्चा

तेहरान,एजेंसी। भारत और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों ने पश्चिम एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में नाजुक स्थिति के मद्देनजर पारस्परिक घनिष्ठ रक्षा सहयोग की योजनाओं पर चर्चा की। एक रिपोर्ट में कहा कि रक्षा सहयोग पर चर्चा ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद रजा अश्तियानी ने कजाकिस्तान में भारतीय रक्षा सचिव गिरिधर अरामाने के साथ बैठक के दौरान की। बैठक के दौरान ईरान के रक्षा मंत्री ने कहा, कि रणनीतिक क्षेत्रों में ईरान और भारत के पास पश्चिम एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में शांति और सुरक्षा स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं। यह बैठक कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन के मौके पर आयोजित की गयी थी। ईरानी रक्षा मंत्री ने दाएश (आईएसआईएस) आतंकवादी समूह के खिलाफ जंग और उसे क्षेत्र में दोबारा सत्ता हासिल करने से रोकने के लिए तेहरान और भारत के बीच घनिष्ठ सहयोग का भी आह्वान किया। जनरल अश्तियानी ने ईरान और भारत के बीच सैन्य और रक्षा सहयोग के क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा की स्थापना पर पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डाला और भारत के साथ रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के आवश्यकता पर भी जोर दिया। तस्नीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रक्षा सचिव ने 'सीरिया में इजरायली हवाई हमले में ईरानी सैन्य सलाहकारों की जान जाने पर ईरान के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और क्षेत्रीय सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

पाकिस्तान को 'गुलाम' बनाने वाले लोगों से समझौता करने के बजाए जेल में रहने के लिए तैयार हूं- इमरान खान

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन लोगों के साथ कोई भी समझौता करने से इनकार कर दिया जिन्होंने देश को ''गुलाम'' बना दिया है और उन्होंने कहा कि वह नौ और साल जेल में रहने के लिए तैयार हैं लेकिन इन लोगों के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 28वें स्थापना दिवस पर शुक्रवार को जारी संदेश में खान ने कहा कि देश पर तानाशाही थोपी गयी है जो अर्थव्यवस्था, शासन, लोकतंत्र और न्यायपालिका के ''विनाश'' का आधार बन रही है।

जेल में बंद खान ने कहा, ''यह देश के लिए मेरा संदेश है कि मैं वास्तविक आजादी के लिए आवश्यक कोई भी बलिदान दे दूंगा लेकिन अपने देश की आजादी से कभी समझौता नहीं करूंगा। खान ने कहा कि उन्हें ''फर्जी और मनगढ़ंत मामलों'' के कारण पिछले नौ महीने से जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा, ''अगर मुझे नौ और साल जेल में रहना पड़ा तो मैं जेल में रहूंगा लेकिन मैं उन

लोगों के साथ कभी समझौता नहीं करूंगा जिन्होंने मेरे देश को गुलाम बना लिया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री का यह संदेश तब आया है जब 'पीटीआई' नेता शहरयार अफरीदी ने दावा किया कि पार्टी बात करेगी लेकिन बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी या सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के हालिया प्रस्तावों के बाद उनके साथ बातचीत नहीं करेगी। अफरीदी ने कहा, ''हम सेना प्रमुख, आईएसआई के महानिदेशक और सेना के साथ बात करेंगे क्योंकि समय की मांग देश की सुरक्षा को प्राथमिकता देना है।

इराक में गैस क्षेत्र पर ड्रोन हमले में चार की मौत

बगदाद,एजेंसी। इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में एक गैस क्षेत्र पर ड्रोन हमले में चार लोगों की मौत हो गई। क्षेत्रीय और संघीय अधिकारियों ने हमले की निंदा की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार (केआरजी) के प्रवक्ता पेशवा हवारमानी ने कहा कि हमले में गैस क्षेत्र में काम कर रहे चार यमनी नागरिकों की मौत हो गई। बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान हुआ है।

उन्होंने इस हमले की निंदा की और इसे आतंकवादी कृत्य बताया। लक्षित खोर मोर गैस क्षेत्र सुलेमानी प्रांत में स्थित है। यह संयुक्त अरब अमीरात स्थित ऊर्जा कंपनी दाना गैस द्वारा

संचालित है। प्रवक्ता ने इराकी संघीय सरकार से हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ने का आग्रह किया है। क्षेत्र के बिजली अधिकारियों ने एक अलग बयान में बिजली संयंत्रों के लिए गैस आपूर्ति पर हमले के प्रभाव को उजागर किया। उनका कहना है कि हमले की वजह से बिजली उत्पादन में लगभग 2,500 मेगावाट की कमी आई। इराकी ज्वाइंट ऑपरेशन कमांड (जेओसी) ने हमले की पुष्टि की है। वहीं प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने जेओसी को हमले की जांच के लिए एक समिति गठन करने का निर्देश दिया है। अभी तक किसी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन कुर्दिस्तान क्षेत्र में मिलिशिया द्वारा रॉकेट या ड्रोन हमले अक्सर होते रहते हैं।

इजराइल पर हमास के हमले में अपने कर्मियों की संलिप्तता के आरोपों की जांच कर रहा है संरा

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ता उन आरोपों की जांच कर रहे हैं कि फलस्तीन के लिए उसकी राहत एजेंसी के 19 कर्मियों में से 14 कर्मचारी हमास आतंकवादियों द्वारा इजराइल पर किए हमले में शामिल थे। एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र के इन कर्मियों के हमले में शामिल होने का दावा किया है जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र इस मामले की जांच कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने जांच के आदेश दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र का आंतरिक निरीक्षण सेवा कार्यालय जनवरी में इजराइल की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच कर रहा है। दुजारिक ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के 19 राहत कर्मियों में से एक के खिलाफ मामला बंद कर दिया गया है क्योंकि इजराइल ने कोई सबूत मुहैया नहीं कराया और चार अन्य कर्मियों के खिलाफ सबूतों के अभाव में जांच निलंबित कर दी गयी है। इजराइल ने जनवरी में आरोप लगाया था कि संयुक्त राष्ट्र की यूएनआरडब्ल्यूए एजेंसी के 12 कर्मचारी दक्षिणी इजराइल में सात अक्टूबर को किए गए हमलों में शामिल थे। उस हमले में हमास के आतंकवादियों ने करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया था।

एजेंसी ने उस समय सभी आरोपी कर्मचारियों के अनुबंध समाप्त कर दिए थे। दुजारिक ने कहा कि इजराइल ने बाद में आरोप लगाए थे कि संयुक्त राष्ट्र के सात और कर्मी इन हमलों में शामिल थे। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि इजराइली सेना की एक बटालिन ने गाजा में युद्ध से पहले वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों के मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन किए थे। बहरहाल, उन्होंने सदन के स्पीकर माइक जॉनसन को लिखे एक पत्र में कहा कि वह इजराइल को गलती सुधारने के लिए और वक्त देने के वास्ते इस बटालियन की सहायता रोकने के फैसले को स्थगित कर रहे हैं। इजराइली नेताओं ने इस सप्ताह अमेरिका के ऐसे फैसले को भांपते हुए सहायता रोकने का कड़ा विरोध किया था।

विमान के शौचालय में किशोरी का वीडियो बनाने की कोशिश के मामले में परिचारक अभ्यारोपित

बोस्टन,एजेंसी। 'अमेरिकन एयरलाइंस' के एक विमान परिचारक को विमान के शौचालय में 14 वर्षीय एक किशोरी का वीडियो गुप्त रूप से रिकॉर्ड करने की कोशिश करने के मामले में बृहस्पतिवार को अभ्यारोपित किया गया। पुलिस ने आरोप लगाया कि उत्तरी कैरोलाइना में चार्लोट के रहने वाले 36 वर्षीय एस्टेस कार्टर थॉम्पसन III के पास से उन चार और लड़कियों के वीडियो भी मिले जिन्होंने विमान के शौचालय का इस्तेमाल किया था।

थॉम्पसन को बच्चों के यौन शोषण के प्रयास के एक मामले में और नाबालिग की आपत्तिजनक तस्वीरें रखने के मामले में अभ्यारोपित किया गया है। थॉम्पसन को जनवरी 2024 में गिरफ्तार किया गया था और वह तब से संघीय हिरासत में है। जांचकर्ताओं ने बताया कि चार्लोट से बोस्टन जा रही उड़ान में दो सितंबर 2023 को सवार 14 वर्षीय किशोरी को शौचालय जाना था लेकिन उसकी सीट के पास स्थित शौचालय में कोई था, जिसके बाद थॉम्पसन ने उसे प्रथम श्रेणी के शौचालय में जाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि किशोरी के

शौचालय में जाने से पहले थॉम्पसन ने उससे कथित रूप से कहा कि उसे हाथ धोना है और शौचालय की सीट टूटी हुई है। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद थॉम्पसन शौचालय में गया और उसके बाहर निकलने के बाद किशोरी जब शौचालय में गई तो उसने सीट के ढक्कन के नीचे लाल स्टिकर देखे। जांचकर्ताओं ने बताया कि थॉम्पसन ने वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए स्टिकर के नीचे अपना आईफोन छुपाया था। लड़की ने अपने फोन से स्टिकर और छुपाए गए आईफोन की तस्वीरें लीं और शौचालय से बाहर आ गई। बच्चों के यौन शोषण के प्रयास का दोषी पाए जाने पर 15 से 30 साल के कारावास और किसी नाबालिग की आपत्तिजनक तस्वीरें रखने के मामले में 20 साल तक कारावास की सजा का प्रावधान है।

गाजा में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 34,356 हुआ

गाजा। गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 34,356 हो गयी है। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली हमलों में 51 फिलिस्तीनियों की मौत हो गयी और 75 अन्य घायल हुए है। सात अक्टूबर 2023 को इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 34,356 और घायलों की तादाद 77,368 हो गयी है। इस बीच, इजरायली अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की कि गाजा के राफा में संभावित जमीनी कार्रवाई से इजरायल के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इजरायली सार्वजनिक कान रेडियो ने बताया कि इजरायली हेग में अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से एक और खतरे की तैयारी कर रहा है, जिसमें वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी होने की आशंका है। इजरायली मीडिया के अनुसार, इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने राफ़ा में जमीनी ऑपरेशन की योजना को मंजूरी दे दी है, लेकिन अभी तक सेना को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं मिली है।

एक नजर

आज से पर्यटकों के लिए बंद हो जाएगा क्रिकेट स्टेडियम

धर्मशाला,एजेंसी। आईपीएल मैचों के मद्देनजर सोमवार से धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम को बाहरी लोगों के लिए फिलहाल बंद कर दिया जाएगा। जिसके चलते करीब 12 दिनों तक पर्यटक दीदार नहीं कर पाएंगे। पर्यटकों के लिए सोमवार से स्टेडियम को बंद कर दिया जाएगा जिसके चलते 29 अप्रैल से 11 मई तक स्टेडियम बंद रहेगा। पर्यटन नगरी धर्मशाला व मैक्लोडगंज आने वाले पर्यटक स्टेडियम का दीदार करना नहीं भूलते। मौसम कोई भी हो, पर्यटकों की चहल-पहल स्टेडियम में लगी रहती है। लेकिन अब 11 मई तक धर्मशाला आने वाले पर्यटक धर्मशाला को घूम सकेंगे, लेकिन स्टेडियम को नजदीक से निहारने का मौका उन्हें नहीं मिल पाएगा। गौरतलब है कि धर्मशाला स्टेडियम में पांच व नौ मई को आईपीएल मुकाबले खेले जाने हैं, जिसकी तैयारियों में एचपीसीए जुटी हुई है। साथ ही स्टेडियम परिसर में निर्माण कार्य भी चल रहे हैं। ऐसे में पर्यटकों को किसी तरह की दिक्कत न हो, इसको ध्यान में रखते हुए एचपीसीए ने सोमवार से स्टेडियम को 11 मई तक बंद रखने का निर्णय लिया है। मैचों के दौरान कई कार्य होते हैं जो कि एचपीसीए द्वारा किए जाते हैं, ऐसे में पर्यटकों की चहलकदमी से कोई समस्या न हो, इसी के चलते स्टेडियम को 11 मई तक के लिए सोमवार से बंद कर दिया जाएगा। उधर, एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि आईपीएल मुकाबलों के मद्देनजर सोमवार सुबह से स्टेडियम, पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाएगा और 11 मई को इसे फिर से पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई ने जीता खिताब

प्रयागराज। स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई ने स्पोर्ट्स हॉस्टल वाराणसी को 1-0 से हराकर अमलेन्दु घोष स्मृति राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया। इलाहाबाद स्पोर्टिंग क्लब द्वारा आयोजित ब्वॉयज स्कूल मैदान आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में पहला हाफ गोल रहित रहा। दूसरे हाफ में सैफई के मृत्युंजय तिवारी ने गोल करके अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। यही बढ़त निर्णायक साबित हुई। मुख्य अतिथि जस्टिस विपिन कुमार दीक्षित, जस्टिस दीपक वर्मा, जस्टिस वाईके श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि ग्रैंड मास्टर अनीश शर्मा, राहुल घोष और रॉबिन ल्यूक ने पुरस्कार वितरित किये। सैफई के विजय बहादुर पटेल को मैन ऑफ दि मैच, शेरान अयूबी को बेस्ट गोलकीपर, विकल्प झा को उदीयमान खिलाड़ी और मृत्युंजय तिवारी को सर्वाधिक गोल करने का पुरस्कार मिला। फेयर प्ले का अवार्ड इलाहाबाद स्पोर्टिंग फुटबाल अकादमी को मिला। विप्लब घोष और डॉ. रमेंदु रॉय ने अतिथियों का स्वागत, बादल चटर्जी ने धन्यवाद ज्ञापित और संजीव चंदा ने संचालन किया। मैच में विनोदकांत श्रीवास्तव, शम्शी रज़ा, अंजन घोष, अजय रौतेला, नारायणजी गोपाल, शंकर चटर्जी, सुदेव मजूमदार मौजूद रहे।

प्रथम ने चौधरी ननिहाल को चैम्पियन बनाया

प्रयागराज। प्रथम मिश्र के आतिशी अर्धशतक (96 रन, 57 गेंद) की बदौलत चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब ने फाफामऊ क्लब को दो विकेट से हराकर संतोष दीक्षित मेमोरियल टी-20 कैशमनी क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा जमा लिया। दौलत हुसैन मैदान पर रॉविवार को खेले गए फाइनल मैच में फाफामऊ क्लब में 20 ओवर में 169 रन (अभिषेक कौशल 76, नितिन यादव 19 नाबाद, राहुल राजपाल 3-22, अमर चौधरी 3-29) बनाए। जवाब में चौधरी नौनिहाल सिंह क्लब ने 19.2 ओवर में 8 विकेट पर 170 (प्रथम मिश्र 96, अंशुमान पाण्डेय 19, ध्रुव प्रताप सिंह 3-28) बना लिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जूनियर इंडिया क्रिकेटर एवं पूर्व रणजी खिलाड़ी आशीष विंस्टन जैदी और विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रेया दीक्षित एवं डॉ. प्रशांत ने विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी और नगद धनराशि प्रदान की। शमशेर अली ने प्रथम मिश्र को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। देवेश मिश्र, ताहिर अब्बास, मनीष यादव, योगेंद्र पाण्डेय ने विशेष पुरस्कार प्रदान किये। राहुल राजपाल को बेस्ट बैटर, प्रियांशु यादव को बेस्ट बॉलर और प्रथम मिश्र को मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। आयोजन समिति ने मुख्य अतिथि आशीष जैदी, पूर्व रणजी क्रिकेटर जावेद खान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कप्तान मज़हर जिया और क्रिकेट प्रशिक्षक उत्पल दास (दादा) को क्रिकेट में उनके योगदान के लिए शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आयोजन सचिव इमरोज अली ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन जावेद अहमद ने किया।

कर्स्टन सफेद बॉल के और गिलेस्पी पाकिस्तान की टेस्ट टीम के मुख्य कोच नियुक्त

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी को पाकिस्तान की टेस्ट टीम का तथा दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को सीमित ओवर टीमों का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसके अलावा न्यूजीलैंड सीरीज के अस्थायी तौर पर नियुक्त किये अजहर महमूद सहायक कोच के रूप में अपनी सेवाओं को जारी रखेंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने यह घोषणा करते हुए कहा, हम मेडिकल साइंस में उतने आगे नहीं हैं, इसलिए हमारे देश में फिटनेस के मुद्दे हैं। हम सर्वश्रेष्ठ विकल्पों को चुनना चाहते थे ताकि देश के लिए सर्वश्रेष्ठ परिणाम आ सके। हमने जिनको चुना है, उनके रिकॉर्ड शानदार रहा है। उल्लेखनीय है कि पूर्व कोच ग्रैंट ब्रैडबर्न इस वर्ष जनवरी में अपने पद से हटा दिया गया था और फिर शेन वॉटसन को मुख्य कोच बनाने के लिए अप्रोच किया गया था। हालांकि बाद में बात नहीं बनी और अब लाल और सफेद गेंद की टीमों के लिए अलग-अलग कोच बनाया गया है।

चेन्नई ने हैदराबाद को 78 रन से हराया, गायकवाड़ बने मैन ऑफ द मैच

चेन्नई,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 46वें मैचे में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने सनराइजर्स हैदराबाद को 78 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ सीएसके अंक तालिका में लंबी छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। चेन्नई के होम ग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम में रविवार को खेले गए मुकाबले में चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और डेरिल मिचेल की अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में तीन विकेट पर 212 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। ऐसे में पूरी टीम 18.5 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। इसमें एडन मार्क्रम 39, हेनरिक क्लासेन 20 और अब्दुल समद ने 19 रन बनाए। चेन्नई की तरफ से तुषार देशपांडे ने दमदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिये जबकि मथिसा पथिराना और मुस्तफिजुर रहमान को दो-दो विकेट मिले। इससे पहले, चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के 98 रन और डेरिल मिचेल के 52 रन की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 212 रन बनाए थे। हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को आउट कर चेन्नई को पहला झटका दिया। इसके बाद हालांकि ऋतुराज और डेरिल मिचेल ने शानदार बल्लेबाजी की और दूसरे विकेट के लिए दूसरे विकेट के लिए 107 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को संभाला। गायकवाड़ ने इस सीजन का अपना तीसरा अर्धशतक जड़ा, वहीं डेरिल भी पीछे नहीं रहे और वह भी पचासा पूरा करने में सफल रहे। जयदेव उनादकट ने हालांकि डेरिल मिचेल को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। मिचेल ने 32 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद शिवम दुबे ने गायकवाड़ का अच्छा साथ दिया। गायकवाड़ ने दूसरे छोर से अपनी आक्रमक पारी जारी रखी और वह लगातार दूसरा शतक बनाने के करीब पहुंच गए थे। हालांकि टी. नटराजन ने अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर गायकवाड़ को आउट कर उन्हें शतक बनाने से रोका। गायकवाड़ ने अपनी पारी में 54 गेंदों पर 10 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद मैदान पर धोनी उतरे और चेन्नई के दर्शकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। शिवम दुबे ने भी आक्रमक अंदाज में बल्लेबाजी की और 20 गेंदों पर एक चौके और चार छक्कों की मदद से 39 रन बनाकर नाबाद लौटे। धोनी भी दो गेंदों पर एक चौके के सहारे पांच रन बनाकर नाबाद रहे। गायकवाड़ और मिचेल के दम पर सीएसके मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा।

क्रिकेट प्रेमियों को बड़ा झटका, टिकट के दामों में एक से तीन हजार की बड़ी बढ़ौतरी

धर्मशाला। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल के पांच मई को होने वाले पंजाब व चेन्नई मैच के टिकट के दामों में फ्रैंचाइजी ने क्रिकेट प्रशसकों को बड़ा झटका दिया है। फ्रेंचाइजी द्वारा टिकट के दामों में बड़ी बढ़ौतरी करते हुए एक हज़ार से तीन हज़ार रुपए तक दाम बढ़ा दिए है। वेस्ट स्टैंड-दो की दो हज़ार में मिलने वाली टिकट अब सीधे तीन हज़ार और 12 हज़ार 500 रुपए के पैवेलियन टैरेस की टिकट 15 हज़ार रुपए में बेचे जा रहे हैं। इतना ही नहीं टिकट के दामों में 30 फीसदी तक बढ़ौतरी की बावजूद भी क्रिकेट प्रेमियों को टिकट नहीं मिल पा रही है।

पेटीएम एप्प में ऑनलाईन ही कतारों में रखा जा रहा है, जबकि बाद में टिकट इनवेल का मैसेज भेजा जा रहा है। जिससे क्रिकेट प्रेमियों को अधिक पैसे खर्च करने पर लंबी ऑनलाईन कतारों में लगने पर भी टिकट नहीं मिल पा रही हैं। फ्रैंचाईजी की ओर से टिकटों की बिक्री शुरू किए जाने के समय वेस्ट स्टैंड के दो हज़ार दाम थे, अब उसे बढ़ाकर तीन हज़ार कर दिया गाया है। साथ ही ईस्ट स्टैंड-दो 2500 अब तीन हज़ार, पैवेलियन टैरेस 12 हज़ार 500 रुपए अब 15 हज़ार, ईस्ट स्टैंड-तीन 7500 से अब 10 हज़ार, नोर्थ पैवेलियन स्टैंड तीन हज़ार से 5500 रुपए कर दी गई है। वहीं क्लब लॉज 20 हज़ार के दाम भी बढ़ा दिए गए हैं, फिल्हाल उसके दाम व बिक्री के लिए भी उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है। विश्व के सबसे खुबसूरत मैदान में से एक धर्मशाला स्टेडियम में पूर्व कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी व किंग कोहली की टीमों के मेज़बान पंजाब किंग्स के साथ मुकाबले होने हैं। ऐसे में धोनी व विराट के प्रसशंकों सहित आईपीएल क्रिकेट के शौकीन भी मैचों के टिकट बिक्री को लेकर ऑनलाईन कतारों में इंतजार कर रहे हैं। डिमांड अधिक होने के चलते ही फ्रैंचाईजी की ओर से दामों में बड़ी बढ़ौतरी की गई है। उधर, एचपीसीए के महासचिव अवनीश परमार ने बताया कि आईपीएल के मैचों की टिकटों की बिक्री फ्रैंचाईजी की ओर से की जा रही है। उन्होंने बताया कि टिकटों के दाम फ्रैंचाईजी ने ही तय किए हैं, डिमांड को देखते हुए उन्होंने दामों में बढ़ौतरी की है।

ऑल इंडिया क्वान की डो में चैंपियन बनी श्रीजेजेटी यूनिवर्सिटी

झुंझुनू। श्रीजेजेटी यूनिवर्सिटी झुंझुनू ने तीन दिन तक चली ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्वान की डो चैंपियनशिप में 9 गोल्ड मैडल, 2 सिल्वर मैडल व 3 ब्रांज मैडल जीतकर महिला व पुरूष वर्ग में पहला स्थान हासिल किया और ओवरऑल चैपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। विजेता खिलाडियों को यूनिवर्सिटी चांसलर डॉ विनोद टिबडेवाला व वाइस चांसलर डॉ देवेन्द्र सिंह ढुल की उपस्थिति में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त सचिव डॉ बलजीत सिंह सेखों ने ट्राफी व मैडल देकर सम्मानित किया।

श्रीजेजेटी यूनिवर्सिटी कैंपस में आयोजित तीन दिवसीय ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्वान की डो चैंपियनशिप में देश की 34 यूनिवर्सिटीज के 250 प्रतिभाशाली खिलाडियों ने हिस्सा लिया था। चैंपियनशिप के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि एआईयू के संयुक्त सचिव डॉ बलजीत सिंह सेखों ने कहा कि अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ देश में 1000 से अधिक यूनिवर्सिटीज में खेल व संस्कृति क्षेत्र में युवाओं की प्रतिभा तराशने का काम करता है। उनकी जिम्मेदारी एक अभिभावक, एक मां की भांति हो जाती है, जिसे सभी को बराबर अवसर उपलब्ध करवाने होते हैं। उन्होंने कहा श्रीजेजेटी यूनिवर्सिटी के बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग देशभर के युवाओं के लिए होना चाहिए। उन्होंने इस कडी में आगामी राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले युवा महोत्सव की मेजबानी यूनिवर्सिटी को देने की घोषणा की, ताकि राजस्थान के इलाके की समृद्ध संस्कृति का देश के हर कोने के प्रतिभाशाली युवाओं के साथ आदान-प्रदान करवाया जा सके।

आईपीएल 2024: बेंगलुरु ने गुजरात को 9 विकेट से हराया, कोहली और जैक्स ने खेली तूफानी पारी

अहमदाबाद,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का 45वां मुकाबला रविवार को गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच खेला गया। मैच में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को 9 विकेट से हरा दिया। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 200 रन बनाए। जवाब में बेंगलुरु की टीम ने विल जैक्स के नाबाद शतक (100 रन) और विराट कोहली के नाबाद 70 रन के दम पर गुजरात टाइटंस को चार ओवर शेष रहते अर्थात 16 ओवर में एक विकेट पर 206 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ आरसीबी प्लेऑफ के रेस में बरकरार है। टीम के 10 मैचों में तीन जीत और 7 हार के साथ 6 अंक है। टीम अभी भी अंक तालिका में आखिरी पायदान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस के 10 मैचों में 4 जीत और 6 हार के साथ 8 अंक है। टीम अंक तालिका में 7वें नंबर पर है। 201 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी को कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने अच्छी शुरुआत दिलाई। शुरुआती तीन ओवर में 37 रन जड़ दिए। हालांकि 40 के कुल स्कोर पर कप्तान फाफ आउट हो गए। उन्होंने 12 गेंद में 1 चौका और तीन छक्कों की मदद से 24 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे विल जैक्स ने विराट कोहली के साथ मिलकर टीम के स्कोर आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और 16वें ओवर में ही लक्ष्य को हासिल कर लिया। कोहली और जैक्स ने दूसरे विकेट के लिए 166 रन की अटूट साझेदारी जमाते हुए आरसीबी को इस सीजन की तीसरी जीत दिलाई। मैच में कोहली ने अर्धशतक जड़ा, जो आईपीएल के इस सीजन में उनका चौथा अर्धशतक है। इसी के साथ उन्होंने इस सीजन 500 रन भी पूरे किए। कोहली ने 44 गेंदों में 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 70 रन बनाए। कोहली के साथ विल जैक्स ने भी ताबतोड़ पारी खेली। जैक्स ने मात्र 41 गेंदों में आईपीएल करियर का अपना पहला शतक जड़ा। उन्होंने 41 गेंद में 5 चौके और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। इससे पहले मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में 3 विकेट गंवाकर 200 रन बनाए। टीम के लिए साई सुदर्शन और शाहरुख खान ने शानदार अर्धशतक लगाए। साई सुदर्शन ने 49 गेंदों में 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 84 रनों की दमदार पारी खेली। शाहरुख खान ने 30 गेंदों में 58 रन बनाए। शाहरुख का यह आईपीएल करियर का पहला पचासा है। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और पांच छक्के लगाए। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा डेविड मिलर ने 19 गेंदों में 26 रन, कप्तान शुभमन गिल 16 रन बनाए। आरसीबी की ओर से स्वप्निल सिंह, मोहम्मद सिराज और ग्लेन मैक्सवेल ने एक-एक विकेट हासिल किया।

माहेश्वरी चौहान ने स्कीट निशानेबाजी में भारत के लिए हासिल किया ओलंपिक कोटा

दोहा,एजेंसी। भारतीय निशानेबाज माहेश्वरी चौहान ने रविवार को आईएसएसएफ फाइनल ओलंपिक शॉटगन क्वालिफिकेशन चैंपियनशिप में महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में भारत के लिए पेरिस 2024 कोटा हासिल किया। माहेश्वरी चौहान दोहा में महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में चिली की फ्रांसिस्का क्रोवेटो चाडिड के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों ने 54 का स्कोर किया, लेकिन शूट-ऑफ में भारतीय निशानेबाज को पीछे छोड़ते हुए चिली शीर्ष पर रहा। यह 2024 पेरिस ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के लिए निशानेबाजी में भारत का 21वां कोटा था और शॉटगन स्पर्धाओं में पांचवां कोटा था। माहेश्वरी के कोटे का मतलब यह भी है कि भारत पेरिस में महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में दो निशानेबाजों का पूरा आवंटन कर सकता है। इससे पहले, माहेश्वरी चौहान ने क्वालीफायर में 121 का नेशनल रिकॉर्ड बनाकर चौथा स्थान हासिल किया और छह महिलाओं के फाइनल राउंड के लिए कट हासिल किया। गनेमत सेखों, 115 के साथ 24वें और अरीबा खान, 111 के साथ 47वें, दोनों ही कोटा राउंड के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में, तीन भारतीय निशानेबाजों में से कोई भी क्वालीफाइंग दौर से आगे नहीं बढ़ सका।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को 45 रनों से हराया

सिलहट,एजेंसी। यास्तिका भाटिया, शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर की शानदार पारियों और उसके बाद रेणुका सिंह और पूजा वस्त्रकर की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को 45 रनों से हरा दिया है।

भारतीय गेंदबाज रेणुका सिंह ने पहले ही ओवर में दिलारा अख्तर (4) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। उसके बाद पांचवें ओवर में शोबना मोस्तारी (6) को बोल्ड कर दिया। अगले ही ओवर में दीप्ति शर्मा ने मुर्शीदा खातून (13) को आउट कर बंगलादेशी बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा। इसके बाद बंगालादेश के विकेट लगातार गिरते रहे। फाहिमा खातून (1), शोरना अख्तर (11), राबेया खान (2), नाहिदा अख्तर (9) रन बनाकर आउट हुई। कप्तान निगार सुल्ताना ने टीम के लिए सर्वाधिक (51)रनों की पारी खेली। बंगलादेश की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 101 रन ही बना सकी। भारत की ओर से रेणुका सिंह ने तीन विकेट लिये। पूजा वस्त्रकर को दो विकेट मिले। श्रेयंका पाटिल, दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत ने बंगलादेश को जीत के लिए 146 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत का प्रयास किया। इसी दौरान तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर स्मृति मंधाना (9) को फरीहा तृस्ना ने उन्हें बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद यास्तिका भाटिया ने शेफाली वर्मा के साथ दूसरे विकेट लिये 43 रन जोड़े। शेफाली ने 22 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (31) रन बनाये। यास्तिका भाटिया ने 29 गेंदों में छह चौकों की मदद से सर्वाधिक (36) रन बनाये। हरमनप्रीत कौर 22 गेंदो में चार चौके के साथ (30) रनों की पारी खेली। संजीवन सजना (11) रन बनाकर आउट हुई। ऋचा घोष 17 गेंदों में (23) और पूजा वस्त्रकर (4) रन बनाकर आउट हुई। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 145 रन का स्कोर खड़ा किया। बंगलादेश की ओर से राबेया ने तीन विकेट लिये। मारुफा अख्तर, फरीहा तृस्ना और फाहिमा खातून ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

एक नजर

प्रदेश की आर्थिक बदहाली के लिए भाजपा जिम्मेदार: कांग्रेस

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्य संसदीय सचिव व कांग्रेस नेता सुंदर लाल ठाकुर व आशीष बुटेल ने कहा है कि प्रदेश को आर्थिक बदहाली में झोंकने के लिए भारतीय जनता पार्टी का आर्थिक कुप्रबंधन जिम्मेदार है। दोनों नेताओं ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुए दुरुपयोग पर राज्य सरकार ने विधानसभा में एक श्वेत पत्र भी लाया गया था, जिसमें प्रदेश की जनता के सामने सच रखा गया था। सत्य यह है कि पूर्व भाजपा सरकार ने चुनाव जीतने के लिए अन्तिम वर्ष में सरकारी खज़ाने का का जमकर दुरुपयोग किया। दोनों ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए पूर्व सरकार ने कांग्रेस के विरुद्ध एक चक्रव्यूह रचा था और अमृत महोत्सव, प्रगतिशील हिमाचल, जनमंच और स्थापना दिवस कार्यक्रम पर 16,261 करोड़ रुपए की फिजूलखर्ची की। नतीजा यह हुआ कि हिमाचल पर वित्त वर्ष 2022-23 के अंत तक 92,774 करोड़ का कर्ज व देनदारी चढ़ चुकी थी। उन्होंने कहा कि यह पिछली भाजपा सरकार की नीतियों के कारण आज प्रत्येक हिमाचली एक लाख रुपए से अधिक का कर्ज़दार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार ने आर्थिक नीतियों में सुधार किया जिसके कारण राज्य सरकार के राजस्व में 2200 करोड़ रुपए की बढ़ौतरी हुई। राज्य सरकार ने शराब ठेकों की नीलामी से अतिरिक्त राजस्व एकत्रित किया। इसके अलावा राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार पर भी लगाम कसी और जनता का पैसा जनकल्याण में इस्तेमाल किया, जिससे आज महिलाओं, किसानों, मज़दूरों व अन्य वर्गों के कल्याण के लिए अनेकों योजनाएँ चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने आर्थिक सुधारों की नींव अपने पहले ही बजट में रख दी थी और इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। आने वाले समय में ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश आर्थिक रूप से समृद्ध होगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा नेता झूठ बोलने में माहिर हैं और झूठी बातें कर प्रदेश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोग पढ़े-लिखे हैं और सत्य-असत्य में अंतर करना भली भाँति जानते हैं।

'घूस' के रूप में लिया चुनावी चन्दा पार्टियों से वसूला जाए: प्रशांत

चंडीगढ़,एजेंसी। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने रविवार को कहा कि चुनावी बॉन्ड घोटाले की विशेष टीम बनाकर उच्चतम न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए और कम से कम राजनीतिक दलों को जो चन्दा 'घूस' के रूप में दिया गया साबित हो, वसूला जाना चाहिए। श्री भूषण यहाँ केन्द्री श्री गुरु सिंह सभा, सिटीजंस अगैन्स्ट डिवाइड और सिविल सोसाइटी, चंडीगढ़ के आयोजित 'चुनावी बॉन्ड = लोकतंत्र को चुनौती' सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनावी बॉन्ड को सुप्रीम कोर्ट के गैर संवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद लिया गया चुनावी चन्दा भले गैरकानूनी न हो लेकिन जो चन्दा 'घूस' के रूप में लिया गया साबित होता है, वह पार्टियों से वसूला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावी बॉन्ड के जरिए भले राजनीतिक दलों को सोलह हजार करोड़ रुपये मिले हों लेकिन यह बहुत बड़ा 'घोटाला' है क्योंकि हजारों करोड़ के ठेके इसके एवज में दिए गए और कंपनियों/लोगों से जो करोड़ों रुपये (करों, जुर्मानों आदि के मद में) सरकारी खजाने को मिलने चाहिए थे, नहीं मिले, उसका एक हिस्सा पार्टियों को चंदे के रूप में दिया गया। उल्लेखनीय है कि श्री भूषण ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की हुई है जिस पर निकट भविष्य में सुनवाई होने की संभावना है। उनसे पूर्व, कॉमन कॉज़ की अंजली भारद्वाज ने बताया कि चुनावी बॉन्ड योजना, जिसे उच्चतम न्यायालय द्वारा पारदर्शिता के अभाव में, गैर संवैधानिक करार दिया गया और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के कारण इसकी जानकारी सामने आई, से किन-किन तरीकों से चन्दा लिया गया। उन्होंने बताया कि इसमें चन्दा देने के एवज में ठेके मिलना, चंदा देने के एवज में नीतियाँ बदलना, ईडी-सीबीआई-आईटी जैसी एजंसियों के इस्तेमाल से चन्दा लेना, घाटे में चल रही कम्पनियों, शैल कंपनियों से चन्दा लेना अर्थात मनी लांड्रिंग, आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि दवा कंपनियों की दवाओं में गड़बड़ी पाए जाने पर नियामक एजंसियों की जांच/कार्रवाई से बचने तक के लिए चन्दा दिया गया। यह एक तरह से लोगों की ज़िंदगियों से खिलवाड़ करने जैसा था। बाद में, उपस्थित लोगों के सवालों के जवाब में श्री भूषण ने कहा कि राजनीतिक फन्डिंग की गुथी का हल चुनावी सुधारों में है जिसमें चुनावों की स्टेट फन्डिंग शामिल है।

हमने सभी वादे पूरे किए, डीबीटी के तहत 2.70 लाख करोड़ रुपये वितरित किए: जगन मोहन रेड्डी

अनंतपुर (आंध्र प्रदेश),एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कहा है कि वाईएसआरसीपी सरकार ने अपने 2019 के घोषणापत्र को एक पवित्र पुस्तक मानते हुए इसके सभी वादों को पूरा किया है। श्री रेड्डी ने रविवार को अनंतपुर जिले के ताड़ीपत्री में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोगों से चुनाव के बाद ताड़ीपत्री निर्वाचन क्षेत्र में एक कृषि महाविद्यालय स्थापित करने का वादा किया। उन्होंने कहा, यह चुनाव सांसद और विधायक चुनने के लिए नहीं है, बल्कि उन कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने के लिए है, जो अगले पांच वर्षों में गरीबों का जीवन बदल देंगी। यदि आप वाईएसआरसीपी को वोट देते हैं, तो सभी योजनाएं जारी रहेंगी, लेकिन यदि आप तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) को वोट देते हैं, तो बंद कर दी जाएंगी। उन्होंने उन योजनाओं का बार-बार वादा करने के लिए तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की आलोचना की, जिन्हें लागू करना असंभव है। उन्होंने कहा कि श्री चंद्रबाबू नायडू अपने झूठ और फर्जी वादों के साथ वापस आ रहे हैं। यह इतिहास में दर्ज किया जाएगा कि आपके बच्चे (श्री जगन मोहन रेड्डी) ने 130 बार डीबीटी बटन दबाया है और 2.70 लाख रुपये से अधिक का भुगतान सीधे लाभार्थियों के खाते में किया है। वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा प्रदान की गई

नौकरियों के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ा वर्गा (एससी/एसटी/बीसी) और अल्पसंख्यक समुदायों को लाभ पहुंचाते हुए 2.31 लाख से अधिक नौकरियां प्रदान की गई हैं।

उन्होंने कहा कि हर गांव/कस्बे में सरकार ने सचिवालय प्रणाली और स्वयंसेवी प्रणाली की मदद से घर-घर सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने ने राज्य सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों, ग्रामीण क्लीनिकों और स्वास्थ्य सेवाओं की घर-घर आपूर्ति के लिए आरोग्य सुरक्षा और भ्रष्टाचार मुक्त एवं पारदर्शी तरीके से लोगों तक वित्तीय सहायता पहुंचाने जैसे क्रांतिकारी उपायों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, सरकारी विद्यालयों में हमने बुनियादी ढांचे, आईएफपी और स्मार्ट टीवी के साथ डिजिटल कक्षाओं, छात्रों के लिए टैब, मध्याह्न भोजन (गोरुमुद्दा), पाठ्यपुस्तकों के वितरण और पाठ्यक्रम में बदलाव किए हैं। हम अंतरराष्ट्रीय स्तर (आईबी) का पाठ्यक्रम ला रहे हैं, जो पहली कक्षा के लिए शुरू होगा और 2035 तक छात्र प्रमाणन के साथ 10वीं कक्षा पूरी कर लेंगे और अंग्रेजी भाषा में भी पारंगत हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम जैसे कदमों को भी रेखांकित किया, जो छात्रों को प्रदान किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि चौथे चरण में 13 मई को आंध्र की 25 लोकसभा सीटों और 175 विधानसभा सीटों पर एक साथ चुनाव होंगे।

मोदी के नेतृत्व में पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है- अर्जुन मुंडा

रांची,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री एवं खूंटी लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने खूंटी विधानसभा के मुरहू प्रखंड में जनसंपर्क अभियान के माध्यम से आज ग्रामीणों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए कार्यों से ग्रामीणों को रूबरू कराया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है और एक सशक्त नेतृत्व के कारण ही भारत का पूरी दुनिया में नाम हो रहा है।

श्री मुंडा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आज मोदी जी ने जो काम किया,वह सब के सामने है। चाहे महिला हों, चाहे युवा हो, व्यापारी वर्ग हो, गरीब हो या किसान हो, सबका सम्मान करते हुए मोदी सरकार ने काम किया है। ऐसे सरकार को हमें फिर से केंद्र की सत्ता में लाना है, जो सबके हक़ की चिंता करती हो। श्री मुंडा ने ग्रामीणों से कहा कि खूंटी लोकसभा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल के करीब है। उन्होंने पिछले साल भगवान बिरसा मुंडा की धरती पर आकर उनके जन्मदिन के अवसर पर माटी का तिलक

लगाकर यहां से दो बड़ी योजना विकसित भारत और पीएम- जनमन का शुभारम्भ किया था। यह हम सभी के लिए गर्व का पल है क्योंकि पहली बार भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थली पर देश का कोई प्रधानमंत्री आया। उन्होंने कहा कि आज वीरों की धरती खूंटी का पूरे देश में नाम हो रहा है। वहीं जब हम 2025 में भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जयंती मनाएंगे, उस वर्ष को भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। पहली बार आदिवासी समाज के लोगों को इतना सम्मान दिया जा रहा है और यह सब मोदी जी के नेतृत्व में ही संभव हो पा रहा है।

कांग्रेस, इंडी गठबंधन बताएं उनका प्रधानमंत्री कौन: शिवराज

ग्वालियर/मुरैना,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन को बताना चाहिए की उनका प्रधानमंत्री कौन बनेगा। श्री चौहान ने ग्वालियर और मुरैना लोकसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित किया। साथ ही ग्वालियर में रोड-शो किया। श्री चौहान ने ग्वालियर से भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह और मुरैना से भाजपा उम्मीदवार शिवमंगल सिंह तोमर के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया।

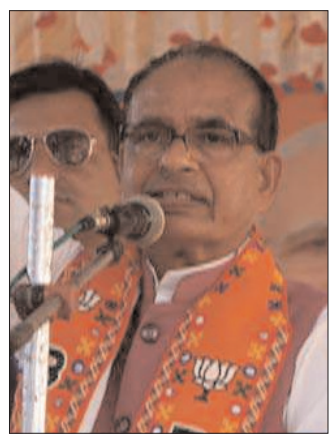

इस दौरान उन्होंने कहा कि चुनाव में तीन चीज़ों पर विचार किया जाता है। सबसे पहले तो ये देखा जाता है कि, प्रधानमंत्री कौन बनेगा। भारतीय जनता पार्टी में तो तय है कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और श्री मोदी ही बनेंगे, लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन बताएं कि, उनका प्रधानमंत्री कौन है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि, गर्मी के दिन हैं अगर हम बाजार में मटका भी खरीदने जाते हैं तो ठोक-बजा कर देखते हैं कि, कहीं से रिस तो नहीं रहा है। हम कोई भी चीज़ देख परख कर लेते हैं। इसलिए कांग्रेस और इंडी गठबंधन ये तो बताएं कि, श्री मोदी के मुकाबले कौन हैं। दूसरी चीज़ देखी जाती है पार्टी, तो भारतीय जनता पार्टी नंबर वन पार्टी है और तीसरी चीज़ देखी जाती है कि, हमारा उम्मीदवार कैसा है तो भाजपा के उम्मीदवार विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कह रहें हैं कि भारत में भी अमेरिका की तरह विरासत कानून लागू किया जाना चाहिए। श्री पित्रोदा राजीव गांधी के भी सलाहकार रहे है। सैम पित्रोदा जैसे लोग ही कांग्रेस को विचार देते हैं, जिनको कांग्रेस क्रियान्वित करती है। अमेरिका में विरासत कानून के तहत माता-पिता की मृत्यू के बाद सम्पत्ति का 55 प्रतिशत हिस्सा सरकार रख लेती है और बच्चों को 45 प्रतिशत हिस्सा ही दिया जाता है। श्री चौहान ने कहा कि, ये कहां कि सोच है, ये भारत है अमेरिका नहीं। भारत अपनी सनातन परंपराओं से ही चलेगा। यहां गरीब माँ-बाप अपना पेट काट काटकर थोड़े पैसे इसलिए बचाते हैं कि, उनकी मृत्यु के बाद बच्चों को कुछ देकर जा सकें, और कांग्रेस उनसे ये भी छीन लेना चाहती है। कांग्रेस आर्थिक और सामाजिक सर्वेक्षण की बात करती है, वो देश को कितने टुकड़ों में बांटना चाहते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को ये स्पष्ट करना पड़ेगा कि उनके असली इरादे क्या हैं।

छह सौ दो करोड़ रुपये की हेरोइन, नाव के साथ 14 पाकिस्तानी गिरफ्तार

पोरबंदर,एजेंसी। गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस), भारतीय तट रक्षक और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) दिल्ली की टीम ने पोरबंदर के निकट समुद्र में पाकिस्तानी नाव और 14 पाकिस्तानी लोगों को 86 किलो हेरोइन के साथ पकड़ा है। पकड़ी गई हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 602 करोड़ रुपये है।

एटीएस सूत्रों ने रविवार को बताया कि एटीएस के पुलिस अधीक्षक के के पटेल को सूचना मिली थी कि पाकिस्तानी ड्रग माफिया हाजी असलम उर्फ बाबू बलोच द्वारा पाकिस्तान के कराची बंदरगाह से एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव 'अल-रज्ञा' में कुछ अवैध हेरोइन या मेथामफेटामाइन लोड करके 25 अप्रैल की रात से 26 अप्रैल की सुबह के दौरान पोरबंदर के पास आईएमबीएल के निकट भारतीय जलक्षेत्र में आने वाली है। यह ड्रग्स तमिलनाडु के लोगों के माध्यम से श्रीलंकाई ड्रग माफिया तक पहुंचाया जाएगा। यह पाकिस्तानी नाव अपनी नाव के रेडियो पर अपने कॉल साइन %अली% के नाम से भारतीय जहाज को अपने कॉल साइन %हैदर% का पासवर्ड साझा कर भारतीय जहाज तक ड्रग्स पहुंचाने वाली है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त खुफ़िया जानकारी इंडियन कोस्ट गॉर्ड और एनसीबी (ऑप्स) दिल्ली के साथ साझा करने और संयुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। अल्प समय सीमा को ध्यान में रखते हुए एटीएस गुजरात पीआई एन.आर. ब्रह्मभट्ट और पीएसआई एम एन पटेल सहित इंडियन कोस्ट गॉर्ड की एक टीम पोरबंदर से 180 नोटीकल माइल दूर आईएमबीएल की ओर पहुंची। 26 अप्रैल की सुबह निगरानी के दौरान जब उपरोक्त सूचना वाली एक संदिग्ध नाव दिखी तो उन्होंने तुरंत इस नाव में पकड़ने का प्रयास किया, इस दौरान नाव पर सवार लोग कुछ संदिग्ध पैकेटों

को समुद्र में फेंक रहे थे और नाव को खतरनाक तरीके से ऑपरेशन टीम की नाव पर चढ़ाने का प्रयास किया गया जिससे ऑपरेशन टीम को गोलीबारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा और पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव पर गोलीबारी करने पर एक व्यक्ति जख्मी हो गया। इसके बाद ऑपरेशन टीम ने संदिग्ध पाकिस्तानी नाव पर चढ़कर तलाशी ली, इस दौरान नाव पर सवार 14 लोगों को पकड़ लिया गया और जख्मी हुए नाव के केप्टन पाकिस्तान के बलुचिस्तान निवासी नजीर हुसैन को इमरजेंसी उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराने का प्रयास किया गया, जिसका उपचार फिलहाल जारी है। इस दौरान गुजरात एटीएस, पोरबंदर एसओजी, भारतीय तट रक्षक और एनसीबी (ऑप्स), दिल्ली की अन्य टीमें मौके पर पहुंच गईं और अभियान में शामिल हुई। इस दौरान उपरोक्त पाकिस्तानी लोगों के कब्जे वाली नाव से 78 पैकेटों में कुल 86 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद हुआ। बरामद हुआ मादक पदार्थ पोरबंदर समुद्र तट पर लाया गया, जो प्रथम दृष्टया हेरोइन प्रतीत होता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 602 करोड़ रुपये है। इस कार्रवाई के दौरान देवभूमि द्वारका एसओजी और जामनगर एसओजी की भी मदद ली गई है।

फेड के निर्णय पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई,एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित निवेशकों की दमदार लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह करीब एक प्रतिशत तक की बढ़त पर रहे घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों को लेकर होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 641.83 अंक अर्थात 0.9 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 73730.16 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 272.95 अंक यानी 1.23 प्रतिशत मजबूत होकर 22419.95 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह दिग्गज कंपनियों के मुकाबले बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में अधिक लिवाली हुई। इससे मिडकैप 1583.26 अंक अर्थात 3.95 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 41587.77 अंक हो गया। इसी तरह स्मॉलकैप 1805.5 अंक यानी 3.97 प्रतिशत की तूफानी तेजी के साथ 47239.29 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव घटने, तेल की कीमतों में गिरावट और स्थानीय स्तर पर विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में बढ़त से पीएमआई के बेहतर प्रदर्शन से प्रेरित देश के मजबूत आर्थिक आंकड़ों ने बीते सप्ताह बाजार में तेजी को बढ़ावा दिया। हालांकि अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अप्रत्याशित गिरावट और अमेरिकी कोर पीसीई मूल्य सूचकांक में उछाल के कारण पिछले कारोबारी दिन वैश्विक

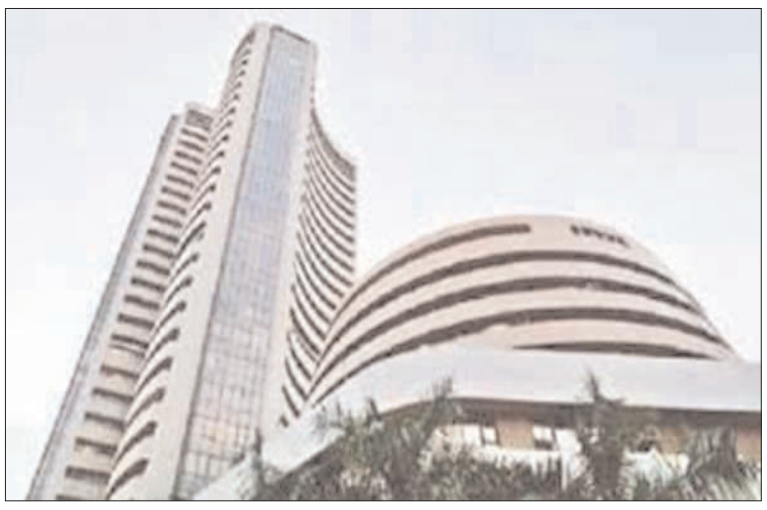

शेयर बाजार में गिरावट आई। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में आईटी क्षेत्र की कंपनियों के कमजोर परिणाम के कारण घरेलू बाजार का प्रदर्शन एशियाई बाजारों के मुकाबले कमजोर रहा। वहीं, परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद और निजी बैंकों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियामक ईकोसिस्टम ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अगले सप्ताह बाजार में सुदृढ़ीकरण की उम्मीद की जा सकती है। इसके अलावा अगले सप्ताह फेड रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी की होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में लिये जाने वाले निर्णय और अमेरिका में गैर-कृषि क्षेत्र के रोजगार आंकड़ों पर बाजार की नजर रहेगी। साथ ही अगले सप्ताह यूको बैंक, अल्ट्रासिमको, आईओसी, अडाणी पावर, अडाणी पोर्ट्स और कोल इंडिया जैसी दिग्गज कंपनियों की 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की अंतिम तमाही के परिणाम की बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बीते सप्ताह बाजार में चार दिन तेजी जबकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस गिरावट रही।

निवेशकों का फोकस इजराइल-ईरान तनाव से हटकर इस सप्ताह कंपनियों के जारी होने वाले परिणाम पर शिफ्ट होने से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 560.29 अंक की छलांग लगाकर 73,648.62 अंक और निफ्टी 189.40 अंक उछलकर 22,336.40 अंक पर बंद हुआ। विदेशी बाजार के सकारात्मक रुझान की बदौलत स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, रियल्टी, टेक और यूटिलिटीज समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली से मंगलवार को शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी रही। सेंसेक्स 89.83 अंक चढ़कर 73,738.45 अंक और निफ्टी 31.60 अंक मजबूत होकर 22,368.00 अंक पर रहा। इजराइल-ईरान तनाव को लेकर जारी चिंता कम होने से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर धातु, कमोडिटीज, हेल्थकेयर और इंडस्ट्रियल्स समेत सत्रह समूहों में हुई लिवाली से बुधवार को सेंसेक्स 114.49 अंक मजबूत होकर 73,852.94 अंक और निफ्टी 34.40 अंक चढ़कर 22,402.40 अंक हो गया। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर एक्सिस बैंक और एसबीआई समेत 22 दिग्गज कंपनियों की करीब छह प्रतिशत तक की तेजी से गुरुवार को सेंसेक्स 486.50 अंक की छलांग लगाकर 74,339.44 अंक पर पहुंच गया। साथ ही निफ्टी 167.95 अंक की उड़ान भरकर 22,570.35 अंक हो गया। वहीं, विदेशी बाजारों के सकारात्मक रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, मारुति, एसबीआई और रिलायंस समेत 24 दिग्गज कंपनियों के करीब आठ प्रतिशत तक लुढ़कने से शुक्रवार को शेयर बाजार की पिछले लगातार पांच दिन की तेजी पर ब्रेक लग गया। सेंसेक्स 609.28 अंक की भारी गिरावट लेकर 73,730.16 अंक और निफ्टी 150.40 अंक का गोता लगाकर 22,419.95 अंक पर बंद हुआ।

जनता को भाजपा से महंगाई, बेरोजगारी, नफरती बयान के सिवा कुछ नहीं मिला- पायलट

बिलासपुर,एजेंसी। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) छत्तीसगढ़ मामलों के प्रभारी एवं राजस्थान के कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि देश में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने दो बार बहुमत से सरकार बनायी है, लेकिन इन 10 सालों में जनता को बदले में नोटबंदी, महंगाई, बेरोजगारी, टकराव और नफरती बयानों के सिवा कुछ नहीं मिला। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के सोमवार को बिलासपुर से लगे सकरी इलाके में चुनावी रैली की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे श्री पायलट ने संवाददाताओं से यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब भी मनरेगा, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), युवाओं के लिए रोजगार और महिला हितों की बात करती है, भाजपा मंदिर-मस्जिद, जाति-धर्म और मंगलसूत्र को मुद्दा बनाने लगती है।उन्होंने जोर दिया कि अब जनता इनके मंसूबों को समझने लगी है और किसी बहकावे में नहीं आने वाली है। उन्होंने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर चुनाव लड़ने की परिपाटी के तहत लोगों का ध्यान भटकाने में लगी है।उन्होंने कहा,

कांग्रेस का स्पष्ट रूख है कि किसान, युवा, महिला और हर वर्ग के लोगों को आगे बढ़ाने का काम हो। हमारे न्याय पत्र (घोषणापत्र) में जो भी लिखा है, स्पष्ट और ब्लैक एंड व्हाइट में लिखा है। श्री पायलट ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में 400 पार का दंभ भरने वाली भाजपा पहले और दूसरे चरण के मतदान के बाद बैकफुट पर आ गयी है। उन्होंने कहा कि देश का आम जनमानस परिवर्तन के मूड में है और आगामी 04 जून को इसकी तस्वीर भी सामने आ जायेगी।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)